RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 297 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 28-05-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 एसआईआर पर न्यायालय का फैसला विपक्ष की हार, आत्ममंथन करें राहुल गांधी : भाजपा
6 इबोला के खतरे के बीच सतर्क हुआ भारत
7 सान्या मल्होत्रा ने 'सुंदर पूनम' के सेट से शेयर की झलकियां

पिनराई विजयन के आवास के बाहर ईडी अधिकारियों के वाहन पर हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के आवास के बाहर बुधवार को उस समय हिंसा भड़क उठी, जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारी छापेमारी की कार्रवाई पूरी कर परिसर से बाहर निकल रहे थे।

विजयन के आवास के बाहर कथित तौर पर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के कार्यकर्ताओं ने कम से कम तीन वाहनों पर हमला किया, जिनमें ईडी के अधिकारियों को ले जा रहा वाहन भी शामिल था। इस दौरान पुलिस हिंसक भीड़ को रोकने में विफल रही।

समाचार चैनलों पर प्रसारित दृश्यों के अनुसार माकपा के कथित कार्यकर्ता और पार्टी के सहयोगी संगठनों के कार्यकर्ता विजयन के किराए के घर के बाहर जमा हुए और उन्होंने छापेमारी के खिलाफ प्रदर्शन किया।

▪ जैसे ही छापेमारी में शामिल ईडी के अधिकारी और केंद्रीय सुरक्षाकर्मी विजयन के घर से निकले, प्रदर्शनकारियों ने उनके वाहनों को घेरकर रास्ता रोक दिया और उन पर पत्थर व ईंटें फेंकनी शुरू कर दीं। इससे गाड़ियों के शीशे बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।

जैसे ही छापेमारी में शामिल ईडी के अधिकारी और केंद्रीय सुरक्षाकर्मी विजयन के घर से निकले, प्रदर्शनकारियों ने उनके वाहनों को घेरकर रास्ता रोक दिया और उन पर पत्थर व ईंटें फेंकनी शुरू कर दीं। इससे गाड़ियों के शीशे बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।

बड़ी संख्या में मौजूद प्रदर्शनकारियों ने ईडी और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए वाहनों पर लातें मारीं, खिड़कियों और शीशे पर मुक्के मारे और डंडे बरसाए तथा उन पर अंडे भी फेंके। खबरों के मुताबिक, वाहनों के चालकों में से एक घायल हो गया। इसके बाद ईडी के अधिकारी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के लिए थंपानूर थाने गए।

सिक्किम को पूर्णतः साक्षर राज्य घोषित किया गया

गंगटोक/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की उपस्थिति में बुधवार को सिक्किम को पूर्णतः साक्षर राज्य घोषित किया गया। केंद्र सरकार की उल्लास (समाज में सभी के लिए आजीवन शिक्षा की समझ) पहल के तहत मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने गंगटोक के मानन केंद्र स्थित सिक्किम विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में यह घोषणा की। राज्य सरकार और सिक्किम की जनता को बधाई देते हुए राष्ट्रपति ने इस उपलब्धि को शिक्षा के माध्यम से समावेशी विकास और सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। मुख्यमंत्री तमांग ने भी इस उपलब्धि की सराहना की और राज्य की जनता को बधाई दी। उन्होंने कहा, उल्लास (नव भारत साक्षरता कार्यक्रम) के तहत सिक्किम राज्य को पूर्णतः साक्षर राज्य घोषित किए जाने के ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण अवसर पर सिक्किम की जनता को हार्दिक बधाई। तमांग ने इस विकास को सिक्किम की शैक्षिक और सामाजिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया और कहा कि यह ज्ञान, सम्मान और सशक्तिकरण की प्राप्ति में किसी भी वयस्क नागरिक को पीछे न छूटने देने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

गुजरात तट से 1,150 करोड़ रुपए की कोकीन जब्त

तीन विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) और भारतीय तटरक्षक ने एक बड़े ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए मुंद्रा बंदरगाह के पास एक जहाज से लगभग 1,150 करोड़ रुपये मूल्य की 115 किलोग्राम कोकीन जब्त की और तीन विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

गुजरात के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) केएलएन राव ने यहां संवाददाता सम्मेलन में बताया कि 'यूरोप' नामक मालवाहक जहाज मैक्सिको, अमेरिका और कराची (पाकिस्तान) से होते हुए कच्छ जिले के मुंद्रा बंदरगाह के पास पहुंचा। मादक पदार्थ की खेप को ब्राजील में जहाज पर लादा गया था।

एटीएस ने बताया कि आरोपियों में से एक के अनुसार, मादक पदार्थ की खेप को पिछले साल नवंबर में ब्राजील में जहाज पर लादा गया था और चालक दल के अन्य सदस्यों की जानकारी के बिना उसे गुपचुप तरीके से मोटर रूम में छिपा दिया गया था।

फर्स्ट टेक

बेंगलूरु के निजी अस्पताल में लगी आग, 14 मरीजों को सुरक्षित निकाला गया

बेंगलूरु/भाषा। बेंगलूरु के एक निजी अस्पताल में बुधवार तड़के आग लगने के बाद गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती कुछ मरीजों समेत 14 मरीजों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, किसी भी मरीज या कर्मचारी के घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस ने बताया कि यह घटना सिंगापोरा के एमएस पाल्या मार्ग स्थित अवेक्षा अस्पताल में तड़के करीब तीन बजकर 15 मिनट पर हुई।

इजराइल ने हमास की सैन्य शाखा के नए प्रमुख को मार गिराया

दीर अल-बलाह/एपी। इजराइल ने बुधवार को कहा कि उसने गाजा सिटी में हवाई हमला कर हमास की सैन्य शाखा के नए प्रमुख को मार गिराया है। हमास ने अपनी सैन्य शाखा के नए प्रमुख की मौत की पुष्टि की है। दो सप्ताह से कम समय पहले इजराइल ने हमास की सैन्य शाखा के तत्कालीन प्रमुख को भी मार गिराया था। इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज और इजराइली सेना ने कहा कि मंगलवार के हमले में मोहम्मद ओदेह मारा गया। हमास ने एक बयान में कहा कि मोहम्मद ओदेह की अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ मंगलवार को एक हवाई हमले में मौत हो गई। स्थानीय अस्पतालों के अनुसार, मंगलवार को गाजा सिटी के एक बाजार पर हुए हमले में ओदेह और उनके परिवार के सदस्यों सहित कम से कम पांच लोग मारे गए और 12 लोग घायल हुए।

चीन ने 'क्वाड' से उसके पड़ोस के समुद्री मामलों में दखल देना बंद करने को कहा

बीजिंग/भाषा। चीन ने 'क्वाड' देशों की मंत्रीस्तरीय बैठक पर बुधवार को कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें उसके पड़ोस में समुद्री मामलों में दखल देना बंद कर देना चाहिए। बैठक में पूर्वी और दक्षिण चीन सागर की स्थिति पर गंभीर चिंता जताई गई थी। नई दिल्ली में मंगलवार को हुई 'क्वाड' की बैठक से संबंधित एक प्रश्न का उत्तर देते हुए चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने यहां संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पूर्वी चीन सागर और दक्षिण चीन सागर में स्थिति कुल मिलाकर स्थिर है। 'क्वाड' अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया का समूह है। इन देशों के विदेश मंत्रियों ने मंगलवार को पूर्वी और दक्षिण चीन सागर की स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की और चीन का नाम लिए बिना क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को खतरे में डालने की निंदा की।

28-05-2026 सूर्यास्त	29-05-2026 सूर्योदय
6:41 बजे	5:52 बजे

BSE	NSE
75,867.80	23,907.15
(-141.91)	(-6.55)

सोना	चांदी
16,411 रु.	281,155 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

महिलाओं के सशक्तीकरण में शिक्षा की अहम भूमिका है : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गंगटोक/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि शिक्षा महिलाओं के सशक्तीकरण का एक शक्तिशाली साधन है।

यहां सिक्किम विश्वविद्यालय के 7वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए, मुर्मू ने कहा कि पदक प्राप्तकर्ताओं की सूची में छात्राओं का वर्चस्व दिख रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से महिला सशक्तीकरण का इससे बेहतर उदाहरण नहीं हो सकता।

राष्ट्रपति ने कहा, ''मुझे यह जानकर खुशी हुई कि पदक प्राप्त करने वालों में 70 प्रतिशत छात्राएं हैं।''

मुर्मू ने कहा कि छात्राओं ने प्रतिभा, कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर शैक्षणिक उत्कृष्टता हासिल की है। राष्ट्रपति ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने स्नातक छात्रों के साथ सफलता के कई मंत्र भी साझा किए।

मुर्मू ने कहा, ''अपनी क्षमताओं पर भरोसा रखें, दूसरों के अनुभव और ज्ञान से सीखें, खुद को अलग-थलग करने के बजाय सहयोग करें, लक्ष्यों को प्राथमिकता दें और 'विकसित भारत' की परिकल्पना में आत्मनिर्भर और सफल योगदानकर्ता बनें।''

सिक्किम के तीन दिवसीय दौरे पर आईं मुर्मू ने प्राकृतिक सुंदरता और पारिस्थितिक संतुलन को संरक्षित रखने के लिए हिमालयी राज्य की प्रशंसा भी की।

नीट प्रश्न पत्र लीक मामला :

सीबीआई ने लातूर के डॉक्टर, पुणे के भौतिकी के शिक्षक को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक मामले में लातूर के एक डॉक्टर और पुणे स्थित एक कोचिंग संस्थान के भौतिकी विषय के शिक्षक को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, जांच एजेंसी ने मनोज शिरूरे को गिरफ्तार किया है, जिस पर आरोप है कि उसने तीन छात्रों को नीट का प्रश्न पत्र तैयार करने वाले पी वी कुलकर्णी से रसायन विज्ञान के प्रश्न दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इन छात्रों में रेनुकाई कैमिस्ट्री क्लासेस (आरसीसी) के संस्थापक शिवराज मोटेगांवकर का बेटा भी शामिल था। लातूर में आरसीसी का संचालन करने वाले मोटेगांवकर को हाल ही में इस मामले में गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि एजेंसी ने पुणे स्थित कोचिंग सेंटर डॉ. अभंग प्रभु मेडिकल एकेडमी (एपीएमए) के भौतिक विज्ञान के शिक्षक तेजस हर्षदकुमार शाह को भी गिरफ्तार किया है।

निर्वाचन आयोग की पर्यवेक्षी शक्तियां स्वाभाविक रूप से व्यापक : सुप्रिम कोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

▪ पीठ ने फैसला सुनाया कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने का निर्वाचन आयोग का संवैधानिक दायित्व व्यापक है और इसे संसदीय कानून द्वारा समाप्त या निष्क्रिय नहीं किया जा सकता है।

▪ पीठ ने मतदाता सूचियों की एसआईआर संबंधी निर्वाचन आयोग की शक्ति को बरकरार रखा

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग के पर्यवेक्षी अधिकार को ''स्वाभाविक रूप से व्यापक'' बताते हुए, बुधवार को उच्चतम न्यायालय ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) संबंधी उसके अधिकार को बरकरार रखा और कहा कि संविधान के तहत उसकी शक्तियों में महज इसलिए कटौती नहीं की जा सकती कि संसद ने चुनावों पर एक कानून बनाया है।

संविधान का अनुच्छेद 324 निर्वाचन आयोग की शक्तियों से संबंधित है। इसके अनुसार, ''संसद और राज्य विधानसभाओं के चुनाव तथा संविधान के तहत राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनावों के लिए मतदाता सूची तैयार करने और उनके संचालन का अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण एक आयोग (जिसे इस संविधान में निर्वाचन आयोग कहा गया है) में निहित होगा।''

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मतदाता सूचियों की एसआईआर संबंधी निर्वाचन आयोग की शक्ति को बरकरार रखा तथा संवैधानिक योजना और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम (आरपीए) के प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की। प्रधान न्यायाधीश ने 124 पृष्ठ के फैसले में, इसका सकारात्मक उत्तर दिया कि क्या निर्वाचन आयोग को विवादित एसआईआर की कवायद करने का अधिकार है।

पीठ ने फैसला सुनाया कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने का निर्वाचन आयोग का संवैधानिक दायित्व व्यापक है और इसे संसदीय कानून द्वारा समाप्त या निष्क्रिय नहीं किया जा सकता है।

न्यायालय ने कहा, ''हमारा मानना है कि विवादित एसआईआर न तो जनप्रतिनिधित्व अधिनियम और 1960 के नियमों के सीधे विरोध में है, और न ही यह स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों की संवैधानिक अनिवार्यता को कम करता है। बल्कि, यह संविधान के अनुच्छेद 324 के साथ पढ़े जाने पर उक्त अधिनियम की धारा 21(3) के अंतर्गत की जाने वाली कवायद है, जिसे संविधान के भाग 15 के उद्देश्य की रक्षा के लिए बनाया गया है।''

भारतीय नौसेना ने पश्चिमी हिंद महासागर में समुद्री डकैती के प्रयास को किया नाकाम

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय नौसेना के निर्देशित मिसाइल विध्वंसक पोत 'आईएनएस कोलकाता' ने समय पर हस्तक्षेप करते हुए पश्चिमी हिंद महासागर में समुद्री डकैती के प्रयास को विफल कर दिया, जिससे एक व्यापारिक पोत की सुरक्षा सुनिश्चित हुई। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना इस सप्ताह की शुरुआत में हुई थी और नौसेना क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा और समुद्री डकैती का मुकाबला करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय नौसेना ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''पश्चिमी हिंद महासागर में व्यापारिक पोत 'एमवी माशाल्लाह 1' के पास समुद्री लुटेरों की गतिविधि की सूचना मिलते ही, आईएनएस कोलकाता ने तुरंत कार्रवाई करते हुए खतरे का पता लगाया और रोकथाम की। समय पर की गई कार्रवाई ने व्यापारिक पोत की सुरक्षा सुनिश्चित की और समुद्री लुटेरों के संभावित हमले को रोका।'' नौसेना ने कहा, ''क्षेत्र में एक प्रमुख सुरक्षा साझेदार के रूप में भारतीय नौसेना व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा, समुद्री डकैती का मुकाबला करने और सुरक्षित समुद्र सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।''

बायजू के संस्थापक रवींद्रन को छह महीने की जेल की सजा

नई दिल्ली/भाषा। सिंगापुर की एक अदालत ने मुश्किलों में घिरी शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी 'बायजू' के संस्थापक बायजू रवींद्रन को छह महीने की जेल की सजा सुनाई है। घटनाक्रम से वाकिफ सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक यह आदेश प्रकाशित नहीं किया गया था। इस बीच, रवींद्रन ने सिंगापुर की अदालत के फैसले को निराशाजनक करार देते हुए कहा कि पीड़ित पक्षों के बीच समझौता प्रक्रिया अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा, सिंगापुर की अदालत में आज का मामला न्यायालय के आदेश की अवमानना से जुड़ा मामला है, जो सुनवाई के दौरान दस्तावेजों के खुलासे को लेकर हुए विवाद से उपजा है-यह धोखाधड़ी, बेईमानी या किसी अन्य गलत काम के आरोपों से संबंधित मामला नहीं है। मुझे 15 जून को पेश होने का निर्देश दिया गया है और अपील के विकल्प उपलब्ध हैं।

सूर्यवंशी, जुरेल और आर्चर के तूफान में उड़ा सनराइजर्स

▪ राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग के एलिमिनेटर में सनराइजर्स हैदराबाद को 47 रन से हरा दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुल्लांपुर/भाषा। वैभव सूर्यवंशी और ध्रुव जुरेल के तूफानी अर्धशतक के बाद जोफ्रा आर्चर की धारदार गेंदबाजी से राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग के एलिमिनेटर में बुधवार को यहां सनराइजर्स हैदराबाद को 47 रन से हरा दिया।

रॉयल्स के 244 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सनराइजर्स की टीम आर्चर (58 रन पर तीन विकेट), रविंद्र जडेजा (21 रन पर दो विकेट) और नांद्रे बर्गर (26 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 19.2 ओवर में 196 रन पर सिमट गई और टूर्नामेंट से बाहर हो गई। टीम की ओर से नितीश कुमार रेड्डी ने सर्वाधिक 38 रन बनाए जबकि सलील अरोड़ा (35) और इशान किशन (33) ने भी उपयोगी पारियां खेली लेकिन टीम कभी लक्ष्य हासिल करने की स्थिति में नहीं दिखी।

रॉयल्स की टीम अब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ होने वाले फाइनल में जगह बनाने के लिए शुक्रवार को दूसरे क्वालीफायर में यहीं गुजरात टाइटंस से भिड़ेगी।

रॉयल्स ने सूर्यवंशी (29 गेंद में 12 छक्कों और पांच चौकों से 97 रन) और जुरेल (21 गेंद में पांच चौकों और तीन छक्कों से 50 रन) के अर्धशतक से आठ विकेट पर 243 रन बनाए। सूर्यवंशी ने यशस्वी जायसवाल (29) के साथ पहले विकेट के लिए सिर्फ आठ ओवर में 125 रन जोड़कर रॉयल्स को ताबड़तोड़ शुरुआत दिलाई।

सनराइजर्स की ओर से प्रफुल्ल हिंगे सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 54 रन देकर तीन विकेट चटकाए। कप्तान पैट कमिंस ने चार ओवर में 64 जबकि साकिब हुसैन ने चार ओवर में 52 रन लुटाए।

रॉयल्स की टीम हालांकि अंतिम चार ओवर में 34 रन ही बना सकी।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे सनराइजर्स की शुरुआत खराब रही और टीम ने पांचवें ओवर में 57 रन तक ही चार विकेट गंवा दिए। पारी की दूसरी ही गेंद पर अभिषेक शर्मा (00) ने आर्चर की गेंद पर विकेटकीपर जुरेल को कैच थमा दिया।

किशन ने आर्चर की लगातार गेंदों पर छक्के और दो चौकों के साथ शुरुआत की जबकि ट्रेविस हेड ने नांद्रे बर्गर की लगातार गेंदों पर छक्का और चौका मारा।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सिस्टम बना उपकरण

राजनीति में नेताओं के,
आते हैं अक्सर अवरोध।
कारण होता सुप्त ईर्ष्या,
या फिर होता है प्रतिशोध।
अपमानित होता है सिस्टम,
करे सभी दल इसका बोध।
बनता है कानून उपकरण,
जिससे आता सबको क्रोध।।

सरकार ने लड़ाकू विमानों के निर्माण के लिए एएमसीए परियोजना में चयन प्रक्रिया शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्रालय ने एक महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत अगली पीढ़ी के लड़ाकू विमान बनाने के लिए निजी क्षेत्र के भागीदार के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अत्याधुनिक बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमान (एएमसीए) परियोजना को व्यापक रूप से देश का सबसे बड़ा स्वदेशी एयरोस्पेस कार्यक्रम माना जा रहा है।

सरकार ने चयन प्रक्रिया के तहत टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स, लार्सन एंड टुब्रो और भारत फोर्ज को अनुरोध प्रस्ताव (आरएफपी) या निविदा जारी की है। लार्सन एंड टुब्रो ने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के साथ साझेदारी की है, वहीं भारत फोर्ज ने बीईएमएल के साथ एक समझौता किया है। सूत्रों ने बताया कि दिलचस्प बात यह है कि सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख एयरोस्पेस कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को इस प्रक्रिया से बाहर रखा गया है। भारत अपनी वायुशक्ति क्षमता को मजबूत करने के लिए उन्नत स्टील्थ (रडार से बचने में सक्षम) विशेषताओं से लैस मध्यम-वजन वाले लड़ाकू विमानों को विकसित करने की महत्वाकांक्षी एएमसीए परियोजना पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। तेजस हल्के लड़ाकू विमान के साथ एएमसीए को भारतीय वायुसेना का मुख्य आधार बनाने की योजना है। तीनों कंपनियों द्वारा अनुरोध प्रस्ताव के जवाब जमा करने के बाद, परियोजना के लिए चयन प्रक्रिया चार से पांच महीनों में पूरी होने की संभावना है। चयनित निजी रक्षा कंपनी रक्षा मंत्रालय के अधीन कार्यरत वैमानिकी विकास एजेंसी (एडीए) के साथ मिलकर विमान के प्रोटोटाइप विकसित करेगी। इस परियोजना के तहत, सरकार एएमसीए के पांच प्रोटोटाइप बनाने की योजना बना रही है। भारतीय वायुसेना अपनी दीर्घकालिक आवश्यकता को देखते हुए एएमसीए परियोजना के लिए लगातार प्रयास कर रही है। भारतीय वायुसेना 114 बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमान (एमआरएफए) खरीदने की प्रक्रिया में भी है। अप्रैल 2019 में, भारतीय वायुसेना ने लगभग 18 अरब अमेरिकी डॉलर की लागत से 114 लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए प्रारंभिक निविदा जारी की थी।

दिल्ली: इमारत में लगी भीषण आग के बीच हेड कांस्टेबल ने 11 दिव्यांगों समेत 13 लोगों को बचाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। इस महीने की शुरुआत में उत्तरी दिल्ली के बुराड़ी इलाके में एक इमारत में आग लगे होने के बावजूद दिल्ली पुलिस के एक हेड कांस्टेबल ने अपनी जान जोखिम में डालकर 13 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इनमें 11 दृष्टिबाधित छात्र शामिल थे।

अधिकारियों के अनुसार, कांस्टेबल ने यह कार्य आधी रात में जलती हुई इमारत, दम घोंटने वाले धुएं और लगभग शून्य दृश्यता के बीच किया। अधिकारियों ने बताया कि यह आग 16 और 17 मई की दरमियानी रात में करीब ढाई बजे बुराड़ी के दारोगा बाजार में स्थित एक इमारत में लगी थी। उन्होंने बताया कि घटना वाली रात बुराड़ी थाने में तैनात और गश्त पर मौजूद हेड कांस्टेबल अमर सिंह एक स्थानीय निवासी से सूचना मिलने के बाद तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस के मुताबिक, आग ने भूतल पर स्थित आठ दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया और तेजी से ऊपरी मंजिलों तक फैल गई जिससे सीढ़ियों का रास्ता बंद हो गया और लोग इमारत के अंदर फंस गए। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि घने धुएं और भीषण आग के कारण सभी सुरक्षित निकासी मार्ग बंद हो गए थे। इसी दौरान कांस्टेबल ने दूसरी मंजिल पर एक पुरुष और एक महिला को फंसा हुआ देखा। उन्होंने बताया कि दमकलकर्मियों या अतिरिक्त पुलिस बल के पहुंचने का इंतजार किए बिना हेड कांस्टेबल ने पास से गुजर रहे एक ट्रक को रुकवाया और उसके ऊपर चढ़कर बालकनी के रास्ते पीड़ितों तक पहुंच गए। अधिकारी के अनुसार, उन्होंने दोनों पीड़ितों को एक-एक कर कंधों पर उठाकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया, जिसके बाद घने धुएं के कारण दम घुटने से वह स्वयं बेहोश होकर गिर पड़े।

अधिकारियों ने बताया कि बचाव अभियान के दौरान उन्हें जानकारी मिली कि पास की एक अन्य इमारत में दृष्टिबाधित छात्र फंसे हुए हैं जहां आग फैलने का खतरा था। इसके बाद हेड कांस्टेबल ने समय रहते सभी 11 छात्रों को सीढ़ियों के रास्ते सुरक्षित बाहर निकाल लिया। पुलिस के अनुसार, आपात सेवा टीमों के पहुंचने से पहले पूरे बचाव अभियान को हेड कांस्टेबल ने अकेले अंजाम दिया।

मुलाकात — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बुधवार को अपने परिवार के साथ दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और कहा कि यह उनके पिता के लिए एक भावुक क्षण था। सावंत के पिता जनसंघ नेता रहे हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक बयान जारी कर बताया कि सावंत अपनी पत्नी, बेटी और पिता के साथ सेवा तीर्थ में मोदी से मिलने गए थे। मुख्यमंत्री के पिता पांडुरंग सावंत गोवा में भाजपा के पूर्ववर्ती संगठन जनसंघ के एक प्रमुख नेता थे सावंत ने एक पोस्ट में कहा, सेवा तीर्थ में अपने परिवार के साथ माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करना मेरे लिए बहुत खुशी और सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा, खास तौर पर मेरे पापा के लिए भावुक क्षण है, जिन्होंने जनसंघ के माध्यम से समाज सेवा का सफर शुरू किया और जीवन भर उस सेवाभाव को आगे बढ़ाया। सावंत ने कहा,माननीय प्रधानमंत्री का हार्दिक आभार, जो करोड़ों कार्यकर्ताओं को राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करते रहते हैं।

सोना 1,100 रुपये गिरकर 1.61 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर, चांदी भी टूटी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कमजोर वैश्विक रुझानों के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बुधवार को सोने की कीमतें 1,100 रुपये गिरकर 1.61 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गईं।

विश्लेषकों के मुताबिक, अमेरिका-ईरान के बीच जारी तनाव और सुरक्षित निवेश के रूप में डॉलर की बढ़ती मांग के कारण निवेशकों ने सोने को लेकर सतर्क रुख अपनाया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने कहा कि 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,100 रुपये घटकर 1,61,300 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स

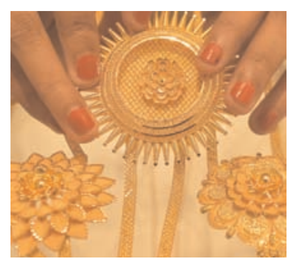

मिलाकर) रह गई। मंगलवार को बाजार बंद होने के समय इसकी कीमत 1,62,400 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। चांदी भी 3,300 रुपये टूटकर 2,69,700 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रह गई। पिछले सत्र में चांदी 2,73,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, ''बुधवार को सोने की कीमतों में गिरावट जारी रही, क्योंकि अमेरिका-ईरान वार्ता को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण कीमती धातुओं पर दबाव बना रहा।'' उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में किसी समझौते की उम्मीदें कम होने से ऊर्जा की कीमतों में बढ़ोतरी और वैश्विक व्यापार प्रवाह में संभावित रुकावटों को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। इससे यह डर पैदा हो गया है कि महंगाई लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर बनी रह सकती है। गांधी ने कहा, ''लगातार ऊंची महंगाई रहने की आशंका से यह उम्मीद मजबूत हुई है कि फेडरल रिजर्व लंबे समय तक अपनी सख्त मौद्रिक नीति जारी रख सकता है। यह सोने और चांदी जैसी कीमती धातुओं के लिए एक नकारात्मक कारक है।''

तेलंगाना: परिवार ने पर्वतारोही का शव एवरेस्ट पर छोड़ने का फैसला किया

हैदराबाद/भाषा। दुनिया की सबसे ऊंची चोटी एवरेस्ट से पिछले सप्ताह उतरते समय जान गंवाने वाले तेलंगाना के पर्वतारोही अरुण कुमार तिवारी के परिवार ने शव को पर्वत पर ही छोड़ने का फैसला किया है।

तिवारी के संबंधी सुधीर उपाध्याय ने बताया कि यह निर्णय आस्था और शव को वापस लाने में आने वाली तकनीकी जटिलताओं के कारण लिया गया। वह (तिवारी) वहां हैं जहां भगवान शिव रहते हैं। शव को जब तक लाया जाएगा तब तक वह बहुत बुरी तरह खराब हो चुका होगा। एवरेस्ट पर इस तरह के अभियान सफल नहीं माने जाते। नेपाल स्थित 'पायनियर एडवेंचर्स' के निदेशक निवेश कार्की के अनुसार, तिवारी (53) की मौत पिछले सप्ताह शिखर के ठीक नीचे हिलेरी स्टेप के पास उस समय हुई, जब चार शेरपा पर्वतारोहियों की सहायता से उतरते समय तबीयत खराब हो गई थी। तिवारी कुशल पर्वतारोही थे और हैदराबाद की आईटी कंपनी में वरिष्ठ अधिकारी के पद पर थे। उन्होंने अतीत में माउंट एल्ब्रस (रूस), माउंट डेनाली (अमेरिका) व माउंट एकोनकागुआ (अर्जेंटीना) पर चढ़ाई की थी।

तेदेपा के प्रति जनता का अटूट समर्थन वर्षों से बरकरार है : चंद्रबाबू नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को कहा कि पार्टी के प्रति जनता का अटूट समर्थन वर्षों से बरकरार है।

मंगलागिरी स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित तेदेपा के वार्षिक सम्मेलन 'महानाडु' को संबोधित करते हुए नायडू ने कहा, ''तेदेपा के प्रति जनता का समर्थन कम नहीं हुआ है। 45 वर्षों से तेदेपा जनहित के मुद्दों के लिए लड़ रही है। हमलों, हिंसा, फर्जी मामलों और उत्पीड़न के बावजूद भी पार्टी कभी पीछे नहीं हटी।'' पूर्ववर्ती वाईएसआर कांग्रेस शासनकाल में ''चुनौतियों'' का जिक्र करते हुए नायडू ने कहा कि उन्हें अवैध रूप से गिरफ्तार किया गया था, जबकि तेदेपा के कार्यकारी अध्यक्ष नारा लोकेश की पदयात्रा 'युवागलम' को उस समय रोक दिया गया था। नायडू ने कहा, हालांकि जनता ने तेदेपा को आशीर्वाद दिया और उसे एक बार फिर सत्ता संभालने का जनादेश सौंपा। युवाओं के लिए अवसरों पर ध्यान केंद्रित करते हुए नायडू ने कहा कि सरकार का दीर्घकालिक दृष्टिकोण उन युवा पीढ़ी की आकांक्षाओं के अनुरूप है जो अगले दो दशकों में राज्य के भविष्य को परिभाषित करेंगी।

पश्चिम एशिया संकट लंबा खिंचने पर बीमा की वृद्धि दर पड़ सकती नरम : एलआईसी प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अग्रणी बीमा कंपनी एलआईसी के प्रमुख आर दुरईस्वामी ने कहा है कि पश्चिम एशिया संकट के लंबे समय तक बने रहने की स्थिति में देश के बीमा क्षेत्र की वृद्धि दर में कुछ नरमी आ सकती है, क्योंकि इससे लोगों की आय और बचत क्षमता प्रभावित हो सकती है। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआई) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक दुरईस्वामी ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा कि यदि पश्चिम एशिया संकट लंबा चलता है तो इसका शृंखलाबद्ध प्रभाव लोगों की आय, खर्च और बचत के रुझान पर पड़ेगा। इसके साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि स्थिति जल्द सामान्य होगी।

हालांकि दुरईस्वामी ने कहा कि यदि अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा इस संकट से प्रभावित होता है तो बीमा उद्योग भी इससे अछूता नहीं रह सकता है। लोगों की आय और बचत क्षमता पर असर पड़ने से बीमा क्षेत्र पर भी स्वाभाविक रूप से प्रभाव पड़ेगा। गौरतलब है कि 28 फरवरी को पश्चिम एशिया में संघर्ष

शुरू होने के बाद ऊर्जा समेत कई क्षेत्रों पर असर पड़ा है। इससे आर्थिक वृद्धि में सुस्ती और महंगाई बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

एलआईसी में सरकार की हिस्सेदारी घटाने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर दुरईस्वामी ने कहा कि कंपनी इस तरह के कदमों के लिए पहले से तैयार है। उन्होंने कहा, जब हमने अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी शुरू की थी, तभी से हम आगे के ऐसे कदमों के लिए तैयार थे। इस पर अंतिम फैसला सरकार को लेना है। एलआईसी प्रमुख ने कहा कि जैसे ही समय और हिस्सेदारी के स्तर पर निर्णय लिया जाएगा, एलआईसी सरकार के साथ मिलकर इसे सफल बनाने के लिए तैयार है। वर्ष 2022 में एलआईसी का आईपीओ आया था, जो उस समय आकार के लिहाज से देश का सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम था।

सरकार कोयला, लिग्नाइट से गैस बनाने की परियोजनाओं को बढ़ावा देने को करेगी बैठक

नई दिल्ली/भाषा। कोयला और लिग्नाइट से गैस बनाने की परियोजनाओं को बढ़ावा देने के मकसद से सरकार अपनी नवस्थापित 37,500 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना को बढ़ावा देने के लिए बृहस्पतिवार को बैठक आयोजित करेगी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है, ''कोयला मंत्रालय 37,500 करोड़ रुपये के वित्तीय खर्च के साथ शुरू की गई कोयला एवं लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने की योजना पर बैठकें आयोजित करने की तैयारी कर रहा है।''

यह पहल देश के कोयला एवं लिग्नाइट संसाधनों के कुशल उपयोग के लिए एक स्वच्छ और मूल्यवर्धित मार्ग के रूप में कोयला गैसीकरण यानी कोयला से गैस बनाने को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। देश में एक मजबूत कोयला गैसीकरण परिवेश के तेजी से विकास के लिए मंत्रालय के निरंतर प्रयासों के तहत इन बैठकों का आयोजन किया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री बंडी संजय के बेटे भगीरथ को पॉक्सो मामले में पुलिस हिरासत में लिया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। पुलिस ने बुधवार को केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार के बेटे भगीरथ को उसके खिलाफ दर्ज पॉक्सो मामले में पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। भगीरथ को बुधवार दोपहर चेरलापल्ली केंद्रीय जेल से पुलिस हिरासत में ले लिया गया। इससे पहले उसे न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। स्थानीय अदालत ने मंगलवार को पुलिस को 27 मई से दो दिन के लिए भगीरथ की हिरासत प्रदान की।

भगीरथ को 16 मई की रात को यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) मामले के संबंध में गिरफ्तार किया गया था और बाद में एक मजिस्ट्रेट द्वारा न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। इससे पहले, तेलंगाना उच्च न्यायालय ने भगीरथ को गिरफ्तारी से अंतरिम राहत

प्रदान करने से इनकार कर दिया था। यह मामला आठ मई को पेटबशीराबाद थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और पॉक्सो अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत दर्ज किया गया था। शिकायत 17 वर्षीय लड़की की मां ने दर्ज कराई थी। महिला ने शिकायत में आरोप लगाया था कि भगीरथ उसकी बेटी के साथ संबंध में था और उसने उसका यौन उत्पीड़न किया। लड़की का बयान दर्ज करने के बाद बीएनएस और पॉक्सो अधिनियम के तहत अधिक गंभीर धाराएं जोड़ी गईं। भगीरथ ने भी एक जवाबी शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें आरोप लगाया है कि लड़की ने उसे पारिवारिक कार्यक्रमों और सामूहिक आयोजनों में आमंत्रित किया था।

प्रश्नपत्र लीक मामलों पर चुप्पी तोड़ें प्रधानमंत्री, प्रधान के खिलाफ करें कार्रवाई : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने परीक्षा प्रश्नपत्र लीक के मुद्दे पर सरकार के खिलाफ हमला तेज करते हुए बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से चुप्पी तोड़ने, अक्षम शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ कार्रवाई करने और ऐसे मामलों को कतई बर्दाश्त नहीं करते हुए सख्त कानून बनाने की मांग की।

कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने नीट प्रश्नपत्र लीक, उसके बाद परीक्षा रद्द होने और सीबीएसई की ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली को लेकर जारी विवाद को लेकर सरकार पर हमला बोला और आरोप लगाया कि सरकार एक भी परीक्षा ठीक से आयोजित करने में सक्षम नहीं है। कुमार ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, सभी महत्वपूर्ण परीक्षाएं आयोजित करने की जिम्मेदारी राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी

को सौंपी गई है, जिस पर बार-बार सवाल उठाए जाते हैं।

कुमार ने कहा कि एनटीए के निदेशक अभिषेक सिंह की पृष्ठभूमि की जांच से यह सामने आ जाएगा कि वह सत्तासीन लोगों के कितने करीब हैं और सरकार में लोगों के साथ उनके क्या राजनीतिक संबंध हैं। कुमार ने सवाल किया कि ऐसे अधिकारियों को राजनीतिक लाभ के लिए महत्वपूर्ण पदों पर क्यों नियुक्त किया गया और विफलता के बाद उनके खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई? उन्होंने कहा, नरेन्द्र मोदी, देश के युवाओं के सपनों को तोड़कर उन्हें 'विकसित भारत' का तमाशा दिखा रहे हैं। जो देश में हो रहा है वह सरकार के लिए भले ही मजाक हो, लेकिन बच्चों के लिए यह जीवन और मृत्यु का प्रश्न है। कुमार ने कहा कि यह कितना दुखद है कि मोदी सरकार एक भी परीक्षा सही ढंग से नहीं करा पा रही। उन्होंने कहा कि स्थिति यह है कि जब एक 17 वर्षीय छात्र ने सीबीएसई से जुड़ी समस्याओं पर अपनी बात कही, तो कुछ पत्रकारों ने उसे देशद्रोही कह दिया। कुमार ने कहा, वही प्रधानमंत्री जो परीक्षा से पहले 'परीक्षा पे चर्चा' करते हैं, प्रश्नपत्र लीक होने पर एक भी शब्द नहीं बोलते। पहले नीट प्रश्नपत्र लीक की खबरें सामने आईं, और फिर सीबीएसई का मुद्दा सामने आया। नरेन्द्र मोदी की क्या मजबूरी है कि उन्होंने एक अयोग्य व्यक्ति को शिक्षा मंत्री नियुक्त किया? एनएसयूआई और भारतीय युवा कांग्रेस लगातार प्रश्नपत्र लीक के मुद्दे उठा रहे हैं, जबकि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी ऐसा कर रहे हैं। हमारी मांग है कि प्रधानमंत्री चुप्पी तोड़ें और अक्षम शिक्षा मंत्री के खिलाफ कार्रवाई करें।

दिल्ली : लूट मामले में दो गिरफ्तार, चार नाबालिग हिरासत में, 40 लाख की संपत्ति जब्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने दिनदहाड़े हुई लूट के एक मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार करने के साथ-साथ चार नाबालिगों को हिरासत में लिया है तथा कथित तौर पर लूटी गई करीब 40 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि यह मामला 17 जुलाई, 2025 को उत्तर-पश्चिम दिल्ली के कन्हैया नगर मेट्रो स्टेशन के पास दिनदहाड़े हुई 39.99 लाख रुपये की लूट से संबंधित है। उस दिन, देसी पिस्तौल और चाकू से लैस आरोपियों ने शिकायतकर्ता मनोज तवानिया को मेट्रो स्टेशन के पास लूटा और नकदी लेकर फरार हो गया। इस संबंध में आरोपियों के खिलाफ केशवपुरम थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच के लिए कई टीम गठित की गईं। पुलिस के अनुसार, मामले की जांच के दौरान चार नाबालिगों को पकड़ा गया और दिल्ली के मुकुंदपुर निवासी आरिफ को अपराध में इस्तेमाल की गई देसी पिस्तौल की व्यवस्था करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि आरोपियों से 11.92 लाख रुपये नकद बरामद किए गए।

भोपाल की अदालत ने त्विषा शर्मा के पति समर्थ सिंह को सीबीआई हिरासत में भेजा: वकील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। पूर्व मॉडल-अभिनेत्री त्विषा शर्मा की मौत के मामले में भोपाल की एक अदालत ने बुधवार को उसके पति समर्थ सिंह को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की हिरासत में भेज दिया। एक वकील ने यह जानकारी दी।

सीबीआई ने सोमवार को इस मामले की जांच अपने हाथ में ली थी। त्विषा शर्मा 12 मई को यहां अपने ससुराल स्थित घर में कथित तौर पर फांसी पर लटकी मिली थी। सीबीआई ने मध्यप्रदेश पुलिस की प्राथमिकी को दोबारा दर्ज किया है, जिसमें समर्थ सिंह और उनकी मां गिरीबाला सिंह को आरोपी बनाया गया है। अधिवक्ता अंकुर पांडे ने 'पीटीआई-वीडियो' को बताया कि

इससे पहले मध्यप्रदेश पुलिस के विशेष जांच दल (एस आई टी) ने समर्थ सिंह को जबलपुर से गिरफ्तार किया था और भोपाल लाया था, जहां मजिस्ट्रेट अदालत ने उसे सात दिन की पुलिस हिरासत पर भेजा था। उन्होंने कहा कि जांच सीबीआई को सौंपे जाने के बाद एसआईटी को अब समर्थ सिंह की हिरासत की आवश्यकता नहीं थी। पांडे के अनुसार इसके बाद आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां सीबीआई ने उसकी हिरासत मांगी। उन्होंने बताया कि अदालत ने समर्थ सिंह को सीबीआई की हिरासत में भेज दिया। उन्होंने कहा कि आरोपी की हिरासत और मामले से जुड़े सभी दस्तावेज अब सीबीआई को सौंप दिए गए हैं, इसलिए मामले में आगे की जांच यह केंद्रीय एजेंसी ही करेगी। वकील ने कहा कि मजिस्ट्रेट अदालत में बुधवार की कार्यवाही केवल औपचारिकता थी और अब इस मामले से संबंधित आगे की कानूनी कार्यवाही संबंधित सीबीआई अदालत में होगी। मध्यप्रदेश पुलिस से जांच अपने हाथ में लेने के बाद सीबीआई ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 80(2) (दहेज मृत्यु के लिए दंड), 85 (पति या उसके रिश्तेदार द्वारा महिला के साथ क्रूरता) और 3(5) (सामान्य आशय) के साथ दहेज निषेध अधिनियम के प्रावधानों को भी लगाया है। ये धाराएं राज्य पुलिस ने भी लगाई थीं।

न्यायालय ने कक्षा 9 के छात्रों के लिए सीबीएसई के तीन-भाषा नियम पर केंद्र, एनसीईआरटी से जवाब मांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को सीबीएसई की उस नीति को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने पर सहमति जताई, जिसमें एक जुलाई से कक्षा 9 के छात्रों के लिए भारत की कम से कम दो मूल भाषाओं सहित तीन भाषाओं का अध्ययन अनिवार्य किया गया है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने केंद्र सरकार, सीबीएसई और एनसीईआरटी को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत जवाब देने को कहा है।

न्यायालय ने एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से सीबीएसई द्वारा निर्णय को लागू करने के लिए की गई व्यवस्थागत तैयारियों पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा और मामले की सुनवाई जुलाई के दूसरे सप्ताह में तय की। याचिकाकर्ता यशिका भंडारी जैन और अन्य की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने बताया कि सीबीएसई द्वारा एक राष्ट्रव्यापी परिपत्र जारी किया गया है, जिसमें कहा गया है कि छात्रों को अगले शैक्षणिक वर्ष से तीन भाषाओं का अध्ययन करना होगा। अन्य याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि इसमें संघवाद और पसंद के संवैधानिक मुद्दे शामिल हैं।

सिब्बल ने कहा कि भाषा व्यक्तिगत पसंद का विषय है, इसे थोपा नहीं जा सकता। उच्चतम न्यायालय ने कोई अंतरिम आदेश पारित करने से इनकार कर दिया और कहा कि वह इस मामले की सुनवाई जुलाई में करेगा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा जारी एक हालिया परिपत्र के अनुसार, एक जुलाई से कक्षा 9 के छात्रों के लिए भारत की कम से कम दो मूल भाषाओं सहित तीन भाषाओं का अध्ययन अनिवार्य कर दिया गया है। यह कदम सीबीएसई द्वारा अपनी अध्ययन योजनाओं को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 और राष्ट्रीय विद्यालय शिक्षा पाठ्यक्रम ढांचा (एनसीएफ-एसई) 2023 के अनुरूप बनाने की प्रक्रिया का हिस्सा है।

सिद्दरामय्या ने आज मंत्रिमंडल सहयोगियों की बैठक बुलाई, अटकलों पर लग सकता है विराम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या बृहस्पतिवार को अपने मंत्रिमंडल सहयोगियों के साथ नाश्ते पर एक बैठक की मेजबानी कर सकते हैं और इसके बाद राज्यपाल थावरचंद गहलोत को इस्तीफा सौंप सकते हैं। सिद्दरामय्या मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के लिए इस पद का रास्ता साफ कर सकते हैं।

हालांकि, वरिष्ठ नेता सिद्दरामय्या ने पूरे घटनाक्रम पर चुप्पी बनाए रखी। बुधवार को उन्होंने कहा कि वह इस मुद्दे पर बृहस्पतिवार को बात करेंगे। नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को उस समय और बल मिला, जब मंगलवार को दिल्ली में कांग्रेस आलाकमान ने सिद्दरामय्या और शिवकुमार के साथ कई दौर की लंबी बैठकें कीं।

पार्टी सूत्रों का कहना है कि सत्ता हस्तांतरण की संभावना अब काफी प्रबल हो गई है। कर्नाटक में पिछले साल से ही नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चर्चाएं जारी हैं, लेकिन 20 नवंबर 2025 को कांग्रेस सरकार के ढाई साल पूरे होने के बाद यह बहस और तेज हो गई। ऐसी खबरें हैं कि सिद्दरामय्या बृहस्पतिवार को इस्तीफा देकर शिवकुमार के मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ कर सकते हैं। मुख्यमंत्री के करीबी एक करीबी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हां, उन्होंने कल राज्यपाल से मिलने का समय मांगा है। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, सिद्दरामय्या राज्यपाल थावरचंद गहलोत को अपना इस्तीफा सौंप सकते हैं।मुख्यमंत्री पद की दौड़ में समय-समय पर गृह मंत्री जी. परमेश्वर का नाम भी सामने आता रहा है। उन्होंने बुधवार को दिल्ली में कांग्रेस नेतृत्व के साथ हुई बैठक पर कुछ भी कहने से इनकार किया। उन्होंने कहा कि बैठक में क्या चर्चा हुई, इसकी जानकारी किसी को नहीं है। साथ ही उन्होंने अपने मुख्यमंत्री बनने की संभावनाओं को भी ज्यादा महत्व नहीं दिया और कहा कि पार्टी का फैसला सभी को मानना होगा।

इस बीच, सिद्दरामय्या बृहस्पतिवार को अपने मंत्रिमंडल सहयोगियों को नाश्ते पर आमंत्रित कर सकते हैं। दिल्ली में मौजूद शिवकुमार पहले बुधवार दोपहर बेंगलूरु लौटने वाले थे, लेकिन उन्होंने अपना कार्यक्रम बदल दिया और अब वह बृहस्पतिवार को लौटेंगे। उनके भी मुख्यमंत्री के सरकारी आवास पर होने वाली बैठक में शामिल होने की संभावना है। पिछले वर्ष भी दोनों नेताओं ने नेतृत्व विवाद कम करने के प्रयास में एक-दूसरे के लिए नाश्ते का आयोजन किया था।

यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब खबरें हैं कि कांग्रेस आलाकमान ने राज्य में नेतृत्व परिवर्तन का संकेत देते हुए सिद्दरामय्या को पार्टी में केंद्रीय भूमिका तथा राज्यसभा सीट की पेशकश की है। हालांकि सूत्रों के अनुसार सिद्दरामय्या ने अभी तक इस केंद्रीय भूमिका को स्वीकार नहीं किया है। सूत्रों का यह भी कहना है कि चूंकि यह संदेश सीधे राहुल गांधी की ओर से आया है, इसलिए सिद्दरामय्या पद छोड़ने के लिए तैयार हो सकते हैं। मुख्यमंत्री पहले भी कई बार कह चुके हैं कि यदि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी उनसे पद छोड़ने के लिए कहेंगे, तो वह ऐसा करेंगे।

कांग्रेस ने मंगलवार को कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चाओं को महज अटकलबाजी बताया और कहा कि केंद्रीय व राज्य नेतृत्व के बीच दिनभर चली बैठकों का उद्देश्य केवल राज्यसभा और विधान परिषद के आगामी चुनावों पर चर्चा करना था। सिद्दरामय्या और शिवकुमार को मंगलवार को पार्टी ने दिल्ली बुलाया था, जहां कांग्रेस मुख्यालय में राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी के महासचिव के. सी. वेणुगोपाल तथा रणदीप सिंह सुरजेवाला के साथ लगातार बैठकें हुईं।

इस बीच, बुधवार को मुख्यमंत्री ने इस मुद्दे पर बात करने से इनकार कर दिया। सिद्दरामय्या ने जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि पर विधान सौधा में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद संवाददाताओं से कहा, मैं इस बारे में कल बात करूंगा। उधर, परमेश्वर ने कहा कि सुरजेवाला के बेंगलूरु पहुंचकर आधिकारिक घोषणा करने की संभावना है। दिल्ली दौरे में मुख्यमंत्री के साथ गए परमेश्वर ने नेतृत्व परिवर्तन या आलाकमान से हुई बातचीत पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

उन्होंने कहा, पार्टी आलाकमान ने मुख्यमंत्री को बुलाया था। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष, राहुल गांधी और महासचिवों से करीब तीन-चार घंटे तक मुलाकात की। अंदर क्या चर्चा हुई, यह हममें से किसी को नहीं पता। मीडिया में काफी अटकलें हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या सिद्दरामय्या ने बैठक के बारे में उनसे कुछ साझा किया, तो उन्होंने कहा, कुछ भी चर्चा नहीं हुई।

जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने आलाकमान से कोई अवसर मांगा है, तो उन्होंने कहा कि इस संबंध में उन्होंने किसी वरिष्ठ नेता से मुलाकात नहीं की है।

सिद्दरामय्या द्वारा मुख्यमंत्री पद के लिए उनका नाम प्रस्तावित किए जाने की खबरों पर परमेश्वर ने कहा, अंदर क्या चर्चा हुई, इसकी मुझे कोई जानकारी नहीं है। जैसा कि कांग्रेस महासचिव ने कहा, चर्चा राज्यसभा और परिषद चुनावों को लेकर थी। लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली ने कहा कि आधिकारिक घोषणा होने तक कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी और बृहस्पतिवार की नाश्ता पर बुलाई गई बैठक के बाद स्थिति स्पष्ट हो सकती है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह शिवकुमार की जगह प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष या उपमुख्यमंत्री बन सकते हैं, तो उन्होंने कहा कि इस बारे में कोई चर्चा नहीं हुई है और वह आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे। इस सवाल पर कि नई सरकार में उन्हें उपमुख्यमंत्री पद की पेशकश की जाती है तो क्या वह स्वीकार करेंगे, जारकीहोली ने कहा कि पार्टी का जो भी निर्णय होगा, सभी को उसे मानना पड़ेगा। पार्टी के भीतर सिद्दरामय्या खेमे से जुड़े कई 'अहिंदा' (अल्पसंख्यकों, पिछड़े वर्गों और दलितों के लिए कन्नड़ संक्षिप्त नाम) नेता चाहते हैं यदि नेतृत्व परिवर्तन होता है, तो मुख्यमंत्री पद उनके गुट के किसी नेता को मिले।

साथ ही दलित मुख्यमंत्री बनाए जाने की मांग भी उठ रही है। पार्टी के एक वर्ग द्वारा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और परमेश्वर के नामों की भी चर्चा की जा रही है। परमेश्वर ने सिद्दरामय्या की ओर से नाशते पर बुलाई गई बैठक को शिष्टाचार बैठक बताया और कहा कि मुख्यमंत्री पहले भी कई बार अपने मंत्रिमंडल सहयोगियों को भोजन पर आमंत्रित करते रहे हैं।

मुख्यमंत्री बदलने की अटकलों के बीच शिवकुमार समर्थकों ने पटाखे फोड़े और मिठाइयां बांटीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राज्य में मुख्यमंत्री बदलने की अटकलों के बीच बुधवार को कर्नाटक के कई हिस्सों में उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार के समर्थकों ने जश्न मनाया। बेंगलूरु के सदाशिवनगर में शिवकुमार के आवास के बाहर और साथ ही बेंगलूरु दक्षिण के जिला मुख्यालय रामनगर में भी पटाखे फोड़े गए और मिठाइयां बांटी गईं। यह अचानक मिला समर्थन उस राजनीतिक अटकलों के बीच सामने आया है जिनमें कहा जा रहा है कि सिद्दरामय्या बृहस्पतिवार को इस्तीफा दे सकते हैं, जिससे उनके उपमुख्यमंत्री शिवकुमार के मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हो सकता है। पत्रकारों से बात करते हुए शिवकुमार के एक समर्थक ने उन्हें एक मजबूत और निर्णायक नेता बताया और 2023 के विधानसभा चुनावों में उनके प्रदर्शन का हवाला दिया।

उनके एक समर्थक ने कहा, उन्होंने 2023 में भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को चुनौती दी और दमदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 130 सीट जीतने की बात कही थी और वह कर दिखाया। पिछले तीन सालों में उन्होंने बहुत मेहनत की है। एक अन्य समर्थक ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह शिवकुमार की नेतृत्व शैली से प्रेरित था। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, सिद्दरामय्या बृहस्पतिवार को कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत को अपना इस्तीफा सौंप सकते हैं।

सिद्दरामय्या ने राज्यपाल से मुलाकात के लिए समय मांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में अगले दो दिन में सत्ता परिवर्तन की तेज होती अटकलों के बीच मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत से 28 मई को मिलने का समय मांगा है। मुख्यमंत्री कार्यालय के सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह अटकलें जोर पकड़ रही हैं कि सिद्दरामय्या बृहस्पतिवार को इस्तीफा दे सकते हैं, जिससे उनके उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार के कर्नाटक का अगला मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हो जाएगा।

मुख्यमंत्री के करीबी एक उच्च पदस्थ सूत्र ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हां, उन्होंने कल राज्यपाल से मिलने का समय मांगा है। कांग्रेस के सूत्रों के अनुसार सिद्दरामय्या राज्यपाल गहलोत को अपना इस्तीफा सौंप सकते हैं। कांग्रेस आलाकमान राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सिद्दरामय्या और शिवकुमार के साथ घंटों चर्चा की और उनसे अलग-अलग भी मुलाकात की। पार्टी अगले महीने होने जा रहे राज्यसभा चुनावों के बाद राज्य में संभावित सत्ता परिवर्तन पर अपना फैसला ले सकती है।

सूत्रों के अनुसार शिवकुमार खेमा सिद्दरामय्या पर शीर्ष पद छोड़ने का दबाव बना रहा है। उन्हें केंद्र में भूमिका देने का प्रस्ताव दिया गया है, जिसे उन्होंने अभी तक स्वीकार नहीं किया है। उन्हें राज्यसभा की सीट का भी प्रस्ताव दिया गया है।

मुख्यमत्री परिवर्तन को लेकर अटकलें न लगाए मीडिया : सुरजेवाला

बेंगलूरु। कर्नाटक में मुख्यमंत्री बदलने की अटकलों के बीच कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि पार्टी ने विधायक दल की कोई बैठक नहीं बुलाई है। राज्य के प्रभारी एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने बुधवार को मीडिया से इस मुद्दे पर कयास न लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने नेतृत्व संबंधी मामलों पर निर्णय लेने में सक्षम है और पार्टी कोई भी निर्णय लिए जाने पर जनता को सूचित करेगी। उन्होंने कहा, तब तक, कृपया अटकलें न लगाएं। सुरजेवाला ने कहा, फिलहाल, कांग्रेस पार्टी द्वारा विधायक दल की कोई बैठक नहीं बुलाई गई है। अभी तक कोई अन्य निर्णय नहीं लिया गया है। जैसे-जैसे स्थिति में बदलाव आएगा, हम आपको सूचित करते रहेंगे। मैं आपको यह नहीं बता सकता कि एक महीना, 20 दिन, कल, छह महीने या एक साल बाद क्या होगायह तो अटकलबाजी होगी। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, मैं आपसे हाथ जोड़कर निवेदन करता हूं कि अटकलों में न पड़ें। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब इस बात की अटकलें तेज हैं कि सिद्दरामय्या अगले कुछ दिनों में, संभवतः बृहस्पतिवार को, मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे सकते हैं और अपने उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार को पद दे सकते हैं।

सरकार ने तीन वर्ष में जनता से किए सभी वादे पूरे किए : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को दावा किया कि उनकी सरकार ने राज्य की जनता से किए गए सभी वादे पूरे किए हैं। अपनी सरकार के 20 मई को तीन साल पूरे होने पर सिद्दरामय्या ने इस बात पर जोर दिया कि उनकी सरकार के तीन वर्ष के शासन में 'नव कर्नाटक' का लक्ष्य हासिल कर लिया गया। सिद्दरामय्या के कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर 'नव कर्नाटक के तीन वर्ष' शीर्षक के साथ संदेश पोस्ट किया। मुख्यमंत्री ने कहा, राज्य की जनता के आशीर्वाद से सत्ता में तीन सार्थक वर्ष पूरे करते हुए हम अपनी सरकार की सभी उपलब्धियों का श्रेय प्रत्येक कन्नड़ भाषी को समर्पित करते हैं। उन्होंने कहा, हमें इस बात पर गर्व है कि हमने चुनाव से पहले राज्य की जनता से किए गए हर वादे को पूरा किया है। हमने पांचों गारंटी योजनाओं को सफलतापूर्वक लागू किया है और यह सुनिश्चित किया है कि वे हर घर तक पहुंचें। पांच गारंटी योजनाओं में प्रत्येक परिवार को 200 यूनिट बिजली मुफ्त देने की 'गृह ज्योति' योजना, घर की मुखिया महिला को 2000 रूपये देने वाली 'गृह लक्ष्मी' योजना, प्रत्येक बीपीएल परिवार को प्रति माह 10 किलो चावल देने संबंधी 'अन्न भाग्य' योजना, बेरोजगार स्नातक युवाओं (18 से 25 वर्ष की आयु के बीच) को 3000 रूपये तथा बेरोजगार डिप्लोमा धारकों को 1500 रूपये दो वर्ष तक देने संबंधी 'युवा निधि' तथा कर्नाटक की सरकारी गैर लग्जरी बसों में राज्य के भीतर महिलाओं को निशुल्क यात्रा की अनुमति देने संबंधी 'शक्ति' योजना शामिल है।

सिद्दरामय्या ने इस्तीफा देने का फैसला किया है : देशपांडे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

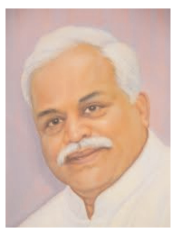

बेंगलूरु। कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक और कर्नाटक प्रशासनिक सुधार आयोग के अध्यक्ष आर. वी. देशपांडे ने बुधवार को कहा कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने उनसे कहा है कि उन्होंने इस्तीफा देने का फैसला कर लिया है। मुख्यमंत्री के आवास पर उनसे मुलाकात करने वाले पूर्व मंत्री देशपांडे ने बताया कि जब कुछ विधायकों ने सिद्दरामय्या से इस्तीफा न देने का आग्रह किया, तो मुख्यमंत्री ने जवाब दिया कि उन्होंने आलाकमान को जुबान दी है और वह इसका सम्मान करेंगे।

सूत्रों के मुताबिक, कई मंत्रियों और विधायकों ने सिद्दरामय्या के आवास पर उनसे मुलाकात की और चर्चा की। उन्होंने मुख्यमंत्री से इस्तीफा न देने का आग्रह किया और कहा कि वे इस मामले पर पार्टी आलाकमान से बात करेंगे। खबरों के अनुसार, कुछ नेताओं ने इस मुद्दे पर विधायक दल की बैठक में चर्चा करने का भी सुझाव दिया, लेकिन सिद्दरामय्या ने ऐसे किसी भी सुझाव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी। देशपांडे ने कहा, मैं मुख्यमंत्री के साथ था। उन्होंने कहा, 'मैंने इस्तीफा देने का फैसला किया है।' उन्होंने इस्तीफा देने का मन बना लिया है। मैंने उनसे यह नहीं पूछा कि वह इस्तीफा क्यों दे रहे हैं। हमने उन्हें मनाने की कोशिश की और कहा कि आप पद पर क्यों नहीं बने रहते? पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बृहस्पतिवार या उसके अगले दिन इस्तीफा दे सकते हैं। उन्होंने कहा, हमने कहा कि यह फैसला हमारे लिए आश्चर्यजनक है, लेकिन उन्होंने कहा, 'नहीं, मैंने इस्तीफा देने का फैसला किया है।' वहां मौजूद विधायक चाहते थे कि वह पद पर बने रहें, लेकिन उन्होंने कहा कि वह आलाकमान को वचन दे चुके हैं और उसका सम्मान करेंगे। मैंने उनसे कहा कि अगर वह बने रहें तो बेहतर होगा, लेकिन उन्होंने कहा कि वह आलाकमान के प्रति प्रतिबद्ध हैं और इसलिए इस्तीफा दे रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने सिद्दरामय्या से इस्तीफे का कारण पूछा, देशपांडे ने कहा कि मुख्यमंत्री ने जवाब दिया कि इस संबंध में दिल्ली में चर्चा हुई थी।

एक सवाल के जवाब में विधायक ने कहा, मैंने उनसे कहा कि उन्हें पद पर बने रहना चाहिए, लेकिन फैसला उन्हें ही करना है। यह पूछे जाने पर कि क्या वह डी. के. शिवकुमार के नेतृत्व वाले नये मंत्रिमंडल में शामिल होंगे, वरिष्ठ विधायक ने कहा कि अगर शिवकुमार को मुख्यमंत्री चुना जाता है, तो यह फैसला उन पर और आलाकमान पर निर्भर करता है। यह पूछे जाने पर कि क्या मुख्यमंत्री उदास थे, उन्होंने कहा, नहीं... उदास क्यों होंगे?

बुधवार को मुख्यमंत्री से मिलने वालों में मंत्री एच. सी. महादेवप्पा, ज़मीर अहमद खान, ईश्वर खंड्रे, संतोष लाड और के. जे. जॉर्ज के अलावा विधायक नंजेगौड़ा, बी. नागेंद्र, उमेश मेती, ए. एस. पोन्नन्ना और सलीम अहमद समेत अन्य नेता शामिल थे। ऐसी तीव्र अटकलें हैं कि सिद्दरामय्या अपने उप-मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार के लिए रास्ता साफ करने के उद्देश्य से एक-दो दिनों में संभवतः बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे की घोषणा कर देंगे। उन्होंने राज्यपाल से मिलने का समय मांगा है और वह बृहस्पतिवार को अपने आधिकारिक आवास पर मंत्रिमंडल के अपने सहयोगियों के लिए नाश्ते की मेजबानी कर रहे हैं। यह घटनाक्रम उन खबरों के बाद सामने आया है जिनमें कहा गया था कि कांग्रेस आलाकमान ने सिद्दरामय्या से राज्य में नेतृत्व परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करने को कहा है और उन्हें राज्यसभा सीट सहित पार्टी में केंद्रीय भूमिका की पेशकश की है।

प्रदर्शन

बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में बुधवार को ईंधन और ऑटो एलपीजी की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ इंडियन व्हीकल ड्राइवर्स ट्रेड यूनियन के सदस्यों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे का मास्क पहनकर विरोध प्रदर्शन किया।

कर्नाटक में इबोला का मामला नहीं

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने बुधवार को बताया कि युगांडा की जिस 28 वर्षीय महिला में इबोला वायरस के लक्षण दिखने का संदेह था, उसकी जांच रिपोर्ट में इसकी पुष्टि नहीं हुई है। अधिकारियों के अनुसार, इबोला प्रभावित क्षेत्र से आई महिला को मंगलवार को शरीर में दर्द जैसे हल्के लक्षण दिखने के बाद एक होटल से यहां के सरकारी महामारी रोग अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। उसके रक्त के नमूने एकत्र किए गए और जांच के लिए पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान को भेजे गए।

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, राज्य में सामने आए इबोला के संदिग्ध मामले की प्रयोगशाला जांच रिपोर्ट में इसकी पुष्टि नहीं हुई है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने पुष्टि की है कि वह महिला इबोला वायरस से संक्रमित नहीं है। उन्होंने कहा, जन स्वास्थ्य दिशा-निर्देशों के अनुसार सभी आवश्यक चिकित्सा प्रोटोकॉल और एहतियाती उपायों का सख्ती से पालन किया गया।

नेतृत्व परिवर्तन की सुगबुगाहट : भाजपा का कांग्रेस सरकार पर विफल होने का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवमोगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष बी. वाई. विजयेंद्र ने राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच बुधवार को दावा किया कि कांग्रेस आलाकमान का संभावित निर्णय मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को हटाना है, क्योंकि उनकी अगुवाई वाली राज्य सरकार पिछले तीन वर्षों के दौरान सुशासन कायम करने में विफल रही है। विजयेंद्र ने यह भी बताया कि अगला मुख्यमंत्री भले कोई बने, राज्य में मध्यावधि विधानसभा चुनाव होंगे ही। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, कांग्रेस आलाकमान ने आज स्वीकार कर लिया कि सिद्दरामय्या-नीत सरकार पिछले तीन वर्षों में सुशासन कायम करने में विफल रही है और इसलिए मुख्यमंत्री को बदलने का फैसला लिया गया है। उन्होंने दावा किया कि मंगलवार को दिल्ली में हुई मैराथन बैठकों के बाद अंततः यह निर्णय लिया गया कि सिद्दरामय्या को इस्तीफा दे देना चाहिए।

विजयेंद्र ने कहा कि मुद्दा यह नहीं है कि अगला मुख्यमंत्री कौन बनेगा, बल्कि मुद्दा राज्य प्रशासन की स्थिति से जुड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया, हम एक ऐसे मुकाम पर पहुंच गए हैं जहां सभी को इस बात पर विचार करना होगा कि राज्य किस दिशा में आगे बढ़ रहा है। आंतरिक संघर्षों के कारण प्रशासन पूरी तरह से ध्वस्त हो गया था। उन्होंने कथित अनियमितताओं का जिक्र करते हुए कहा कि मौजूदा कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान वाल्मीकि विकास निगम और एमयूडीए भूमि आवंटन घोटाले हुए थे। विजयेंद्र ने यह भी आरोप लगाया कि सिद्दरामय्या के नेतृत्व में राज्य कर्ज के जाल में फंस गया है।

शिकारीपुरा विधायक ने कहा, अगर दक्षिण भारत के अन्य राज्यों से तुलना करें तो सिद्दरामय्या ने राज्य को लगभग 10 लाख करोड़ रुपये के कर्ज में डुबो दिया है। हमें यह समझने की जरूरत है कि राज्य किस हद तक कर्ज के जाल में फंसा है। राज्य में मध्यावधि विधानसभा चुनावों की भविष्यवाणी करते हुए उन्होंने कहा कि अगर सिद्दरामय्या इस्तीफा दे देते हैं और उनकी जगह कोई और आता है, तो भी प्रशासन में भ्रम की स्थिति पैदा हो जाएगी। विजयेंद्र ने कहा, राज्य में समय से पहले चुनाव निश्चित रूप से होंगे। कर्नाटक में समय से पहले चुनाव होने से कोई नहीं रोक सकता।

विजयेंद्र ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की हाल ही में हुई कर्नाटक यात्रा के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि नवीन ने बेंगलूरु में विधायकों, सांसदों और युवा प्रतिनिधियों के साथ कोर कमेटी की बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा, नितिन नवीन को संगठनात्मक मामलों का अपार अनुभव है। उनमें संगठन को और मजबूत करने का दृढ़ संकल्प और क्षमता है।

निजी अस्पताल में लगी आग, 14 मरीजों को सुरक्षित निकाला गया

बेंगलूरु। बेंगलूरु के एक निजी अस्पताल में बुधवार तड़के आग लगने के बाद गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती कुछ मरीजों समेत 14 मरीजों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।पुलिस के अनुसार, किसी भी मरीज या कर्मचारी के घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस ने बताया कि यह घटना सिंगापोरा के एमएस पाल्या मार्ग स्थित अवेक्षा अस्पताल में तड़के करीब तीन बजकर 15 मिनट पर हुई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दमकल की गाड़ियां तुरंत मौके पर भेजी गईं और आग पर काबू पा लिया गया। उन्होंने कहा कि आशंका है कि आग 'बेसमेंट डक्ट' में बिजली के एक तार से शुरू हुई और आग से इमारत में घना धुआं फैल गया। उन्होंने बताया कि बाहर निकाले गए मरीजों को पास के एक अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

BSNL Connecting Bharat
भारत संचार निगम लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
BHARAT SANCHAR NIGAM LIMITED
(A Govt of India Enterprise)

संख्या : BSNLCO-11/12/(11)/1/2026-RECTT-CO
26.05.2026

भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) दूरसंचार संवर्ग में कनिष्ठ दूरसंचार अधिकारी (जूनियर टेलीकॉम ऑफिसर) के पद हेतु प्रत्यक्ष भर्ती योजना के अंतर्गत खुले बाजार से प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से आवेदन आमंत्रित करता है।

इच्छुक उम्मीदवार अधिक जानकारी एवं नवीनतम अपडेट के लिए बीएसएनएल की वेबसाइट www.bsnl.co.in पर जा सकते हैं।

बीएसएनएल निगम कार्यालय, नई दिल्ली
CBC 06204/12/0001/2627

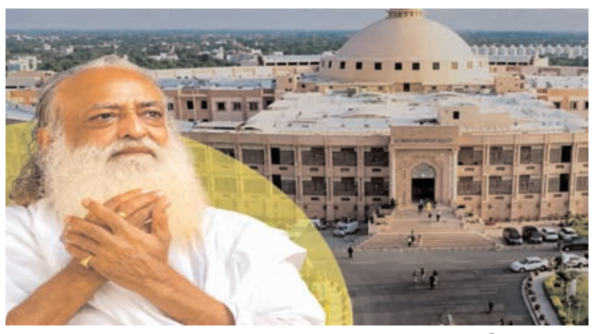

आसाराम सामूहिक दुष्कर्म के आरोप से मुक्त, नाबालिग से दुष्कर्म मामले में उम्रकैद बरकरार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने स्वयंभू बाबा आसाराम को बुधवार को आंशिक राहत देते हुए उसे भारतीय दंड संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम के तहत सामूहिक दुष्कर्म और बच्चे के सामूहिक यौन उत्पीड़न के आरोपों से बरी कर दिया, जबकि नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में उसकी उम्रकैद की सजा बरकरार रखी। न्यायमूर्ति अरुण मोंगा और न्यायमूर्ति योगेंद्र कुमार पुरोहित की खंडपीठ ने भारतीय दंड संहिता की धारा 376(डी) और यौन अपराध संरक्षण अधिनियम की धारा 5(जी)/6 के तहत आसाराम को बरी कर दिया। अदालत ने उसे आपराधिक षड्यंत्र से जुड़ी धारा 120(बी) से भी मुक्त कर दिया।

हालांकि खंडपीठ ने नाबालिग से दुष्कर्म से संबंधित भारतीय दंड संहिता की धारा 376(2)(एफ) के तहत अधीनस्थ अदालत द्वारा आसाराम को सुनाई गई सजा को बरकरार रखा। अदालत ने आसाराम को इस सजा के मद्देनजर आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। वह इस समय अस्थायी जमानत पर बाहर है, जिसे सोमवार को सात दिनों के लिए और बढ़ाया गया था। उच्च न्यायालय ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की अन्य कई धाराओं के तहत दोषसिद्धि को भी बरकरार रखा, जिनमें धारा 342 (गलत तरीके से बंधक बनाना), 370(4) (मानव तस्करी), 506 (आपराधिक धमकी), 509 (महिला की मर्यादा भंग करना) और 354(ए) (यौन उत्पीड़न) शामिल हैं। इसके अलावा, पॉक्सो अधिनियम की धारा 7/8 तथा किशोर न्याय अधिनियम की धारा 23 के तहत भी दोषसिद्धि को कायम रखा गया।

इस बीच, अदालत ने सह-आरोपी संचिता गुप्ता उर्फ शिल्पी और शरत चंद्र को बरी कर दिया, जिन्हें पहले मानव तस्करी और षड्यंत्र की संबंधित धाराओं के तहत दोषी ठहराया गया था। खंडपीठ ने 20 अप्रैल को आसाराम और सह-आरोपियों की अपीलों पर सुनवाई पूरी करने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रखा था। आदेश सुनाने से पहले अदालत ने कथित तौर पर टिप्पणी की कि उसके पास आरोपी के लिए अच्छी और बुरी, दोनों तरह की खबरें हैं और आरोपी पहले कौन-सी खबर सुनना चाहता है। आसाराम को अपने आश्रम में एक नाबालिग छात्रा का यौन उत्पीड़न करने के मामले में 25 अप्रैल 2018 को दोषी ठहराया गया था और भारतीय दंड संहिता, पॉक्सो अधिनियम तथा किशोर न्याय अधिनियम की कई धाराओं के तहत उसे उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी।

राजस्थान में एक जून से बालश्रम और बाल तस्करी के खिलाफ अभियान चलाया जाएगा

जयपुर। राजस्थान में बालश्रम, बाल बंधुआ मजदूरी एवं मानव दुर्व्यापार (बाल तस्करी) के खिलाफ महीने भर का विशेष अभियान चलाया जाएगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार उमंग-सात नामक यह अभियान एक जून से 30 जून तक राज्य भर में चलेगा जिसका उद्देश्य बालश्रम एवं बाल तस्करी जैसी गंभीर सामाजिक बुराइयों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना तथा पीड़ित बच्चों का पुनर्वास सुनिश्चित करना है। अतिरिक्त महानिदेशक (सिविल राइट्स) हवासिंह घुमरिया ने सभी पुलिस आयुक्तों, रेंज महानिरीक्षक, पुलिस उपायुक्तों एवं जिला पुलिस अधीक्षकों को विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए हैं।

पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी आदेश में अभियान को पूरी संवेदनशीलता एवं समन्वय के साथ संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। एक बयान के अनुसार अभियान के प्रभावी संचालन के लिए प्रत्येक जिले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिला पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिया गया है कि वे अभियान से जुड़े सभी विभागों एवं हितधारकों के साथ समन्वय स्थापित करें।

पुलिस मुख्यालय ने निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक जिले में थानेवार विशेष 'रेस्क्यू' टीम का गठन किया जाए। प्रत्येक टीम में एक उपनिरीक्षक अथवा सहायक उपनिरीक्षक समेत चार पुलिसकर्मी होंगे। इन टीम को अभियान शुरू होने से पहले विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि बालश्रम एवं मानव तस्करी के मामलों की पहचान और कार्रवाई प्रभावी ढंग से हो सके।

अमित शाह ने भारत-पाक सीमा से सटे जिलों से जुड़े सुरक्षा संबंधी मुद्दों की विस्तृत समीक्षा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बीकानेर में सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में भारत-पाकिस्तान सीमा से सटे जिलों से जुड़े सुरक्षा संबंधी मुद्दों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, राजस्थान सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों तथा बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर, श्रीगंगानगर एवं फलोदी के डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट व पुलिस अधीक्षकों ने भाग लिया। बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि राज्य सरकार के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए सीमा प्रबंधन को सशक्त एवं व्यापक बनाया जाए। बैठक में प्रत्येक सीमावर्ती जिले के लिए 360 डिग्री सुरक्षा फ्रेमवर्क तैयार करने का निर्णय लिया गया। इस एकीकृत प्रयास में स्थानीय नागरिकों, राज्य सरकार की मशीनरी और सभी संबंधित सुरक्षा एजेंसियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी, जिससे सीमा प्रबंधन को और अधिक समग्र एवं मजबूत बनाया जा सके।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अवैध निर्माणों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति को सख्ती से लागू करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय सीमा से 15 किलोमीटर के दायरे में हो रहे अवैध निर्माणों को जमींदोज करने का निर्देश दिया। अमित शाह ने बीएसएफ, सीबीडीटी, एनसीबी और राज्य सरकार की मशीनरी के साथ समन्वित सीमा प्रबंधन रणनीति अपनाए जाने पर बल दिया ताकि घुसपैठ, नारकोटिक्स तस्करी, अतिक्रमण, आतंकवादी फंडिंग और अन्य सीमा-पार अपराधों पर शिकंजा कसा जा सके।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जिला मजिस्ट्रेटों को जिम्मेदारियाँ सौंपते हुए निर्देश दिया कि वे सभी बैंकों में पूर्ण कानूनी एवं वित्तीय अनुपालन सुनिश्चित करें, प्रमुख व्यवसायिक प्रतिष्ठानों का सत्यापन करें, उनके फंडिंग स्रोतों की जांच करें, म्यूल खातों एवं शेल कंपनियों को ट्रैक करें, फर्जी आधार कार्डों की पहचान करें तथा तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करें। गृह मंत्री अमित शाह ने निर्देश दिया कि साइबर अपराधों के त्वरित निवारण के लिए '1930' कॉल सेंटर का प्रभावी उपयोग किया जाए तथा क्षेत्र में कानून प्रवर्तन व्यवस्था और न्यायिक प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करने के लिए तीन नए आपराधिक कानूनों का पूर्ण रूप से कार्यान्वयन किया जाए।

बैठक के दौरान वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-खख (ततझ-खख) के सफल एवं प्रभावी कार्यान्वयन पर विशेष बल दिया गया, जिसके माध्यम से अंतिम छोर तक शासन को सुदृढ़ करना, आर्थिक अपराधों को रोकना, बुनियादी सुविधाओं की कमी पूरी करना तथा सीमावर्ती जनसंख्या को समर्थन देना सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही, सीमावर्ती गांवों में सभी सरकारी योजनाओं का 100% सैचुरेशन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। बैठक में रेखांकित किया गया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर उच्चतम स्तर की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। साथ ही, केन्द्रीय और राज्य एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय को बढ़ावा देकर सीमावर्ती क्षेत्रों के समग्र विकास और सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

पिछले 24 घंटों में कुछ हिस्सों में बूंदाबांदी, श्रीगंगानगर में तापमान पहुंचा 47 डिग्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पूर्वी राजस्थान में पिछले 24 घंटों के दौरान कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी और आंधी चली जबकि राज्य के पश्चिमी हिस्सों में मौसम शुष्क रहा। मौसम विभाग ने बुधवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार, श्रीगंगानगर में अधिक तापमान 47 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया, जो राज्य के अन्य जिलों की तुलना में सबसे अधिक रहा। वहीं सिरोही में न्यूनतम तापमान 22.8 डिग्री सेल्सियस रहा। विभाग ने बताया कि अगले दो से तीन दिनों तक राजस्थान में भीषण लू की स्थिति बनी रहेगी और अधिकतम तापमान ज्यादातर हिस्सों में 44 से 46 डिग्री सेल्सियस तक रहने का अनुमान है।

जयपुर स्थित मौसम केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया, बीकानेर व कोटा संभाग और शेखावाटी क्षेत्र में तापमान 46 से 47 डिग्री तक रह सकता है जबकि पश्चिमी राजस्थान के सीमा क्षेत्रों में 27 और 28 मई को तापमान 48 डिग्री तक दर्ज किया जा सकता है। मौसम विभाग ने 27 और 28 मई के लिए 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया है।

इस बीच, एक नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 28 मई से राज्य के कुछ हिस्सों में आंधी-बारिश शुरू होने का अनुमान है। अधिकारी ने बताया कि 29 से 31 मई के बीच इसका अधिकतम असर रहेगा और जयपुर, भरतपुर, कोटा, अजमेर, उदयपुर, जोधपुर व बीकानेर संभागों में धूल भरी आंधी, 6070 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं और कहीं-कहीं बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक, 29 मई से तापमान में दोतीन डिग्री की गिरावट दर्ज होने का अनुमान है, जिससे लू की स्थिति से राहत मिलेगी।

शिक्षा का उपयोग विद्यार्थी जरूरतमंदों, पीड़ित और वंचित वर्ग के कल्याण के लिए करें : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि विधि शिक्षा प्रत्यक्षतः समाज से जुड़ी शिक्षा है। इसका उपयोग विद्यार्थी जरूरतमंद, पीड़ित और वंचित वर्ग के कल्याण के लिए करें। उन्होंने विधि शिक्षा में राष्ट्र और समाज हितों को सदा अग्रणी रखने और इस शिक्षा में उच्च संवैधानिक मूल्यों के साथ राजस्थान को अग्रणी बनाने का आह्वान किया। बागड़े बुधवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर विधि विश्वविद्यालय, जयपुर के तृतीय दीक्षांत समारोह में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दीक्षांत विद्यार्थियों के प्राप्त ज्ञान के संस्कार का उत्सव दिन है। तैत्तिरीय उपनिषद में शिक्षा समाप्ति पर आचार्य की दीक्षांत शिक्षा का उल्लेख मिलता है। उन्होंने कहा कि गुरुकुल में जब शिक्षा पूरी हो जाती थी तो गुरु अपने शिष्य को अंतिम उपदेश देते थे। यह उपदेश सत्य की राह पर चलने, धर्म का आचरण करने और अपनी प्राप्त शिक्षा का अहंकार नहीं पालने से जुड़ा होता था। यही आज का दीक्षांत समारोह हैं।

राज्यपाल ने बाबा साहेब डॉ.अम्बेडकर को याद करते हुए कहा कि बॉम्बे विधानसभा में वर्ष 1938 में उन्होंने कहा था, मैं चाहता हूं कि समस्त लोग पहले भारतीय हों और अंततः भारतीय हों तथा भारतीय के सिवाय और कुछ भी नहीं हों।

उन्होंने कहा कि विधि शिक्षा का भी मूल यही होना चाहिए कि सबसे पहले हम भारतीय हैं, उसके बाद किसी वर्ग, जाति या समुदाय से आते हैं। देश सवोच्च है।

बागड़े ने कहा कि स्वतंत्र भारत के प्रथम कानून मंत्री के पद पर रहते हुए बाबा साहेब ने वंचित वर्गों के अधिकारों, ऊँच-नीच का भेद मिटा कर समानता स्थापित करने वाले कानून पारित करवाए। उन्होंने डीडवाना के बच्छराज व्यास का स्मरण करते हुए कहा कि वह कभी कोई मुकदमा नहीं हारे। इसका बड़ा कारण यह था कि वह पक्षकारों को गंभीरता से लेते, प्रकरण के सभी पहलुओं का बारीकी से अध्ययन करते और संविधान से जुड़े मूल्यों के गहन जानकार थे। उन्होंने कहा कि विधि शिक्षा में भारतीय सभ्यता और संस्कृति के साथ शब्द संपदा को गंभीरता से लेकर यदि आगे बढ़ेंगे तो सभी क्षेत्रों में सफलता मिलेगी। उन्होंने विरोध के नाम पर गाली देने की परम्परा को संविधान विरुद्ध बताते हुए कहा कि बोले गए शब्द कभी वापस नहीं आते। इसलिए बोलने में सदा सजगता रखनी चाहिए।

केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि डॉ. अंबेडकर विधि विशेषज्ञ ही नहीं थे, वे बहुत बड़े अर्थशास्त्री, मनोवैज्ञानिक, लेखक और विविध विषयों के जानकार थे। उन्होंने कहा कि वे 1927 में बॉम्बे विधान परिषद के सदस्य बन गए थे, देश के पहले कानून मंत्री बने। मुझे इस बात का गर्व है कि प्रधानमंत्री मोदी ने मुझे उसी परंपरा में देश का कानून मंत्री बनाया है। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर के व्यक्तित्व के विविध आयामों पर विश्वविद्यालय व्याख्यानमाला आयोजित करे।

ट्रक के पीछे से टकराई जीप, तीन की मौत

जयपुर। राजस्थान में जयपुर जिले के चौमूं क्षेत्र में बुधवार सुबह जयपुरसीकर राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक जीप ट्रक से टकरा गई, जिससे तीन लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार चौमूं में स्टेडियम क्षेत्र के पास जीप अपने आगे चल रहे ट्रक से टकरा गयी तथा टक्कर के बाद सड़क किनारे एक ढाबे में जा घुसी। ढाबे के बाहर खड़ी एक कार भी क्षतिग्रस्त हो गई।

पुलिस ने कहा कि जीप में सवार दो महिलाएं और एक पुरुष की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नौ अन्य घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है तथा मृतकों के शव चौमूं सरकारी अस्पताल के मुर्दाघर में रखे गए हैं।

सहकारिता में पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता बनाए रखना सरकार की प्राथमिकता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने सहकारिता विभाग के कार्यालयों एवं सहकारी संस्थाओं में अनियमितताओं, गबन व भ्रष्टाचार आदि के दर्ज प्रकरणों में कठोर कार्रवाई करने के गृह विभाग, पुलिस व भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सहकारी संस्थाओं की पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता बनाये रखना राज्य सरकार की प्राथमिकता है तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

दक बुधवार को शासन सचिवालय स्थित चिंतन सभागार में सहकारिता विभाग के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन कार्यालयों एवं सहकारी संस्थाओं में गबन, अनियमितताओं एवं अन्य प्रकरणों में दर्ज एफआईआर के संबंध में कार्यवाही की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। प्रकरणों में त्वरित, निष्पक्ष एवं न्यायोचित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए गृह विभाग, पुलिस एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ यह बैठक आयोजित की गई। दक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गबन, भ्रष्टाचार एवं वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े मामलों में त्वरित अनुसंधान पूरा कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। गबन आदि के प्रकरणों में दोषियों के विरूद्ध आपराधिक धाराओं में कार्रवाई के साथ ही वसूली भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि फर्जीवाड़े और घोटालों के प्रकरणों में मुख्य आरोपियों के साथ ही पूरे नेटवर्क का खुलासा कर सभी के विरूद्ध कार्रवाई की जाए। साथ ही, दोषियों द्वारा जिन परिजनों के नाम पर सम्पत्ति बनाई गई है, उनके विरूद्ध भी कार्रवाई कर वसूली की जाए। सहकारिता मंत्री ने कहा कि गंभीर प्रकृति के प्रकरणों में जिस मंशा के साथ आरोपियों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज करवाई जाती है, उसी के अनुरूप कार्रवाई भी होनी चाहिए। ऐसे प्रकरणों में बिना पर्याप्त आधार के एफआर लग जाने से गलत संदेश जाता है। अपराध प्रमाणित पाये जाने पर न्यायालय में समय पर चालान प्रस्तुत किये जाएं। उन्होंने कहा कि पुलिस मुख्यालय स्तर पर अलग सेल का गठन कर ऐसे प्रकरणों की नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जानी चाहिए। दक ने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद सहित अन्य कार्यों में फर्जीवाड़े एवं अनियमितताओं के कुछ बड़े प्रकरण सामने आए हैं, जिनसे विभाग की छवि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। ऐसे प्रकरणों पर विशेष रूप से फोकस किया जाए। उन्होंने फर्जीवाड़े में शामिल ई-मित्र संचालकों एवं बैंक खाते किराये पर देने वाले लोगों के विरूद्ध भी कार्रवाई के निर्देश दिए।

दक ने कहा कि आमजन एवं किसानों का सहकारी संस्थाओं पर विश्वास बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए सभी समितियों में वित्तीय अनुशासन, नियमित ऑडिट, पारदर्शी कार्यप्रणाली एवं जवाबदेही सुनिश्चित की जा रही है। सहकारी संस्थाओं में भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के प्रकरण सामने आने से विभाग की छवि धूमिल होती है तथा आमजन का विश्वास कम होता है।

समय पर पहचान और आधुनिक उपचार से रक्त कैंसर को हराना संभव : चिकित्सा विशेषज्ञ

जयपुर/दक्षिण भारत । चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि बार-बार बुखार आना, शरीर में कमजोरी होना, खून की कमी होना, हाथ-पांव में कमजोरी महसूस होना भले ही लक्षण सामान्य नजर आते हों, लेकिन यदि उपचार के बाद भी अगर ये ठीक न हों तो ये रक्त कैंसर के शुरुआती संकेत भी हो सकते हैं। भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल के ब्लड कैंसर एवं अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉ. प्रकाश सिंह शेखावत ने यहां 28 मई को विश्व रक्त कैंसर दिवस पर कहा कि समय पर पहचान और आधुनिक उपचार से रक्त कैंसर को पूर्णतः हराकर एक सामान्य जीवन जिया या जा सकता है। बाल रक्त एवं कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. शिवानी माथुर ने बताया कि बच्च्चों में कई तरह के रक्त कैंसर होते हैं तथा उपचार करके उन्हें पूर्ण रूप से स्वस्थ किया जा सकता है।

डॉ. शेखावत ने बताया कि आधुनिक चिकित्सा में 'कार-टी सेल थेरेपी' और अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण (बीएमटी) जैसी अत्याधुनिक तकनीकें रक्त कैंसर और गंभीर रक्त रोगों के उपचार में नई उम्मीद बनकर उभरी हैं। उन्होंने कहा, कार-टी सेल थेरेपी में मरीज की प्रतिरक्षा कोशिकाओं को विशेष तकनीक से कैंसर कोशिकाओं को पहचानकर नष्ट करने के लिए तैयार किया जाता है। वहीं बीएमटी के माध्यम से रोगग्रस्त अस्थि मज्जा को स्वस्थ स्टेम सेल्स से प्रतिस्थापित किया जाता है। यह उपचार ल्यूकीमिया, लिम्फोमा, मल्टीपल मायलोमा, थैलेसीमिया और एप्लास्टिक एनीमिया जैसे गंभीर रोगों में उपयोगी है।

जनभागीदारी से बनेगा वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान जन आंदोलन : कुमावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत हिंगोनिया गौ पुनर्वास केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने खेली की सफाई की और पौधारोपण किया। कुमावत ने कहा कि जल संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रेरणा से प्रदेश सरकार द्वारा 25 मई से 5 जून तक चलाया जा रहा वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी का अभियान है। उन्होंने कहा कि जल ही जीवन का आधार है और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए जल स्रोतों एवं जल का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है।

कुमावत ने कहा कि प्रदेश सरकार जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने के उद्देश्य से विभिन्न अभियान चला रही है। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान भी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके माध्यम से लोगों को जल बचाने, वर्षा जल का संचय करने तथा जल स्रोतों के संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने गौशालाओं की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि गौशालाएं केवल गौसेवा का केंद्र नहीं बल्कि पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के संवर्द्धन का भी माध्यम बन सकती हैं।

उन्होंने उपस्थित लोगों से जल संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास करने तथा अपने दैनिक जीवन में पानी के विवेकपूर्ण उपयोग का संकल्प लेने का आह्वान किया। कुमावत ने कहा कि जल ही जीवन है और मूक पशुओं के लिए स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना हमारी संस्कृति का मूल आधार है।

पशुपालन मंत्री ने कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को जल संग्रहण और संरक्षण की शपथ दिलाते हुए जल स्रोतों के संरक्षण, वर्षा जल संचयन तथा अधिकाधिक पौधारोपण के लिए प्रेरित किया। उन्होंने गौशाला परिसर में मौलसिरी और पीपल के पौधे लगाए और पौधों की उचित देखभाल के निर्देश दिए ताकि आने वाले समय में ये पेड़ प्राकृतिक हरित कवच का काम कर सकें। इस अवसर पर चंद्रमोहन मीणा, पशुपालन निदेशक डॉ सुरेशचंद मीना और अन्य विभागीय अधिकारी, गौशाला प्रबंधन समिति के सदस्य एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

जनजातीय क्षेत्रों में पर्यटन बढ़ाने के लिए वाल्मीकिनगर, कैमूर में हेलीपोर्ट विकसित होंगे : सम्राट चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को घोषणा की कि राज्य सरकार जनजातीय आबादी वाले क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वाल्मीकिनगर और कैमूर में हेलीपोर्ट विकसित करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि पर्यटन की संभावनाओं को बढ़ावा देने और जनजातीय समुदाय को वैकल्पिक आजीविका उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार 'जनजातीय क्षेत्रों में होम-स्टे विकास' योजना शुरू करेगी।

चौधरी ने यहां 'जनजातीय गौरव उत्सव 2026' के तहत 'बिरसा लिव्स इन न्यू भारत योजना' के छात्रवृत्ति लाभार्थियों से संवाद के दौरान यह घोषणा की। इस वर्ष भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मनाई जा रही है। बिरसा मुंडा (1875-1900) जनजातीय नेता और स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ मुंडा विद्रोह का नेतृत्व किया था। जनजातीय अधिकारों और स्वशासन के लिए उनका संघर्ष उन्हें आदिवासी समुदायों के लिए प्रतिरोध और सशक्तीकरण का प्रतीक बनाता है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''राज्य सरकार ने क्षेत्र में इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए वाल्मीकिनगर और कैमूर में हेलीपोर्ट विकसित करने का निर्णय लिया है। जनजातीय समुदायों के बीच होम-स्टे सुविधाएं शुरू की जाएंगी, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और लोगों को जनजातीय संस्कृति को बेहतर तरीके से समझने का अवसर मिलेगा। जनजातीय समुदाय के उत्थान और समृद्धि के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भगवान बिरसा मुंडा को स्मरण करते हुए अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''उनके लिए जमीनी स्तर पर भी काम किया जा रहा है। केंद्र सरकार द्वारा बिहार में एकलव्य विद्यालय स्थापित किए गए हैं, जिससे अनुसूचित जनजाति समुदाय के बच्चों को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की 'पोस्ट-मैट्रिक' छात्रवृत्ति योजना से करीब 1.04 लाख अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थी लाभान्वित हुए हैं, जिनमें अनुसूचित जनजाति के 4,155 विद्यार्थी हैं। उन्होंने कहा कि 'प्री-मैट्रिक' छात्रवृत्ति योजना के तहत इस वर्ष 20.46 लाख छात्र लाभान्वित हुए हैं, जिनमें 1.41 लाख अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थी हैं। उन्होंने कहा कि जनजातीय समुदाय के विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और प्रत्येक प्रखंड में मॉडल विद्यालय खोले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जनजाति त्वरित विकास योजना के तहत पश्चिमी चंपारण में 180 करोड़ रुपये की विकास योजनाएं पूरी की गई हैं।

मुख्यमंत्री ने जनजातीय क्षेत्रों में मैराथन प्रतियोगिताओं के आयोजन की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को एक लाख रुपये, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को 75 हजार रुपये और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को 50 हजार रुपये पुरस्कार स्वरूप दिए जाएंगे। इसके अलावा कैमूर के पहाड़ी क्षेत्रों में एक डिग्री कॉलेज भी खोला जाएगा।

एसआईआर पर न्यायालय का फैसला विपक्ष की हार, आत्ममंथन करें राहुल गांधी: भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर उच्चतम न्यायालय के फैसले को कांग्रेस नेता राहुल गांधी और विपक्षी दलों की नैतिक, राजनीतिक व संवैधानिक आधारों पर पूरी तरह हार बताया और कहा कि गांधी को आत्ममंथन करना चाहिए। न्यायालय ने एसआईआर कराने की निर्वाचन आयोग की शक्ति को बरकरार रखते हुए कहा कि यह प्रक्रिया निष्पक्ष चुनावों के संवैधानिक उद्देश्यों को मजबूती प्रदान करती है।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली शीर्ष अदालत की एक पीठ ने यह भी कहा कि यह प्रक्रिया स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनावों की संवैधानिक अनिवार्यता को बढ़ावा देती है। शीर्ष अदालत के फैसले पर टिप्पणी करते हुए, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, यह कांग्रेस की, विशेष रूप से राहुल गांधी की, पूरी तरह से हार है। कांग्रेस और विपक्षी दल नैतिक, राजनीतिक व संवैधानिक तीनों स्तरों पर हार गए हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले के साथ ही राहुल गांधी के सभी आरोप विफल और पूरी तरह निष्प्रभावी हो गए हैं। भाजपा के राज्यसभा सदस्य त्रिवेदी ने पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा, मैं कांग्रेस से, विशेष रूप से राहुल गांधी से कहना चाहूंगा कि वे इस फैसले के बाद आत्ममंथन करें और अपशब्दों का इस्तेमाल बंद करें।

असम विधानसभा में 'समान नागरिक संहिता विधेयक-2026' पारित, पहला सत्र संपन्न

गुवाहाटी/भाषा। असम की 16वीं विधानसभा का पहला सत्र बुधवार को संपन्न हो गया। इसी सत्र के दौरान महत्वपूर्ण 'समान नागरिक संहिता विधेयक, असम 2026' पारित किया गया। कार्यवाही के समापन पर विधानसभा अध्यक्ष रंजीत कुमार दास ने कहा कि पांच दिवसीय सत्र में कई महत्वपूर्ण घटनाक्रम हुए, जिनमें नए विधायकों का शपथ ग्रहण और राज्यपाल का अभिभाषण शामिल रहा।

सत्र के पहले दिन अस्थायी अध्यक्ष चंद्र मोहन पटवारी ने विधायकों को शपथ दिलाई थी। उसी दिन भारतीय जनता पार्टी के नेता रंजीत कुमार दास विधानसभा अध्यक्ष चुने गए थे। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने दूसरे दिन सदन को संबोधित किया। दास ने बताया कि सत्र के दौरान सदन में दो विधेयक पारित हुए, जिनमें राज्य में यूसीसी लागू करने वाला महत्वपूर्ण विधेयक भी शामिल है। उन्होंने कहा कि परिसीमन प्रक्रिया के बाद संसद और राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण को शीघ्रता से लागू करने के लिए सरकार द्वारा प्रस्तावित एक प्रस्ताव भी विधानसभा में पारित किया गया।

अवैध प्रवासन के कारण जनसांख्यिकीय परिवर्तन सीमावर्ती क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं : गृह मंत्रालय

नई दिल्ली/भाषा। अवैध प्रवासन के कारण होने वाले जनसांख्यिकीय परिवर्तन केवल सीमावर्ती क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि उनका प्रभाव अब विस्तृत हो गया है, जो ''शहरी केंद्रों, औद्योगिक गलियारों, जनजातीय क्षेत्रों और अन्य सामाजिक एवं आर्थिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों को प्रभावित कर रहा है।'' सरकार की एक अधिसूचना में यह बात कही गयी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति प्रकाश प्रभाकर नावलेकर की अध्यक्षता में जनसांख्यिकीय परिवर्तनों पर एक उच्च स्तरीय समिति (एचएलसीडीसी) के गठन के संबंध में कहा गया है कि अवैध प्रवासन के कारण जनसांख्यिकीय परिवर्तनों से ''व्यापक चुनौतियां'' उत्पन्न हुई हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ''अवैध प्रवास और अन्य असामान्य कारणों'' से देशभर में हो रहे जनसांख्यिकीय परिवर्तनों का व्यापक आकलन करने के लिए समिति गठित करने की घोषणा की थी। नई दिल्ली में मुख्यालय वाली इस समिति में जनगणना आयुक्त के साथ भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के पूर्व अधिकारी दुर्गा शंकर मिश्रा, भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी बालाजी श्रीवास्तव सदस्य होंगे। साथ ही, डॉ. शमिका रवि भी सदस्य होंगी। यह समिति एक साल में अपनी रिपोर्ट देगी।

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने अमेठी में भाजपा प्रशिक्षण अभियान में लिया हिस्सा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमेठी (उप्र)/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं अमेठी की पूर्व सांसद स्मृति ईरानी बुधवार को एक दिवसीय दौरे पर यहां पहुंचीं तथा उन्होंने मुसाफिरखाना में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान कार्यक्रम में भाग लिया ।

इस कार्यक्रम में मीडिया के प्रवेश पर रोक रही। भाजपा नेताओं के अनुसार, प्रशिक्षण अभियान में संगठन को बूथ स्तर तक और मजबूत बनाने, केंद्र एवं उत्तर प्रदेश सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने तथा आगामी राजनीतिक रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। भाजपा सूत्रों ने बताया कि स्मृति ईरानी ने जिला भाजपा कार्यालय गौरीगंज में जिला कमेटी, सभी मंडल अध्यक्षों, संबंधित संगठनों के अध्यक्षों एवं अन्य पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में विधानसभा और पंचायत चुनाव की तैयारियों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। इससे पहले पूर्व सांसद स्मृति ईरानी गौरीगंज विधानसभा क्षेत्र के जूठीपुर गांव पहुंचीं। वहां उन्होंने भाजपा के दिवंगत बूथ अध्यक्ष पवन पासी के परिजनों से मुलाकात की और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और परिवार को हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

बरेका में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बनारस। रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार बनारस रेल इंजन कारखाना(बरेका) में चल रहे विश्व पर्यावरण दिवस अभियान के तहत बुधवार को बरेका पश्चिमी स्वास्थ्य केंद्र, परिसर में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बरेका के महाप्रबंधक आशुतोष पंत द्वारा पौधरोपण कर किया गया।

इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए सभी से अधिकाधिक वृक्षारोपण करने एवं प्रकृति के संरक्षण हेतु सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। महाप्रबंधक आशुतोष पंत ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में ही सहायक नहीं हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ व स्वस्थ जीवन प्रदान करने का आधार भी हैं। एक पेड़ माँ के नाम अभियान प्रकृति, मातृत्व एवं संवेदनशीलता को जोड़ने वाला एक प्रेरणादायी प्रयास है, जो समाज को पर्यावरण के प्रति भावनात्मक रूप से जोड़ने का कार्य करता है।

इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर मनीष कुमार, प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर विवेक शील, प्रमुख मुख्य इंजीनियर शैलेंद्र कुमार सिंह, प्रधान वित्त सलाहकार मुक्तेश मित्तल, प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक आलोक अग्रवाल, प्रमुख मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. देवेश कुमार, महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त देवराज कुमार मौर्य, मुख्य सतर्कता अधिकारी अंकुर चंद्रा आदि अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हरित एवं स्वच्छ वातावरण बनाए रखने तथा पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया। यह जानकारी जन संपर्क अधिकारी राजेश कुमार ने विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

कांग्रेस ने मणिपुर में लोगों को बंधक बनाये जाने पर कहा: राज्य, केंद्र सरकार मूक दर्शक क्यों बनी हैं

इंफाल/भाषा। कांग्रेस की मणिपुर इकाई ने बुधवार को आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारें उस समय ''मूक दर्शक'' बनी रहीं, जब सशस्त्र समूहों ने कई लोगों का अपहरण किया और कई लोग अभी भी बंधक बना कर रखे गए हैं। स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की 62वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से बातचीत करते हुए, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ओकराम इबोबी सिंह ने आरोप लगाया कि ''इस छोटे से राज्य में कानून का कोई शासन नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''नागरिकों के अपहरण के बाद राज्य और केंद्र सरकारों द्वारा तत्काल क्या कदम उठाए गए? हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं और मांग करते हैं कि बंधकों को तुरंत रिहा किया जाए।'' तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके सिंह ने यह भी पूछा, ''राज्य और केंद्र सरकारें, दोनों मूक दर्शक क्यों बनी हुई हैं? क्या इसके पीछे कोई गुप्त एजेंडा है?'' मणिपुर के कांगपोकपी और सेनापति जिलों में 13 मई को चर्च से जुड़े तीन लोगों की घात लगाकर हत्या किए जाने के कुछ घंटों बाद ही सशस्त्र समूहों ने 38 से अधिक लोगों का अपहरण कर उन्हें बंधक बना लिया।

राष्ट्रपति मुर्मू ने गंगटोक में महिलाओं के लिए विशेष बस सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गंगटोक/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को गंगटोक में विशेष रूप से महिलाओं के लिए बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर और मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग की उपस्थिति में रिज पार्क में 'पिंक सिटी रनर - आमा दीदी बहिनी बस सेवा' शुरू की गई।

अधिकारियों ने बताया कि यह सेवा अपने आप में अनूठी है क्योंकि इसका संचालन पूरी तरह से महिलाओं द्वारा किया जाता है। उन्होंने बताया कि पिंक सिटी रनर बसें रानीपूल और गंगटोक के सचिवालय के बीच 25 रुपये के किराए पर चलेंगी, जो लगभग 12 किलोमीटर की दूरी तय करेंगी। उन्होंने बताया कि बसों में सीसीटीवी निगरानी प्रणाली, मोबाइल चार्जिंग पॉइंट और एयर कंडीशनिंग की सुविधा है ताकि सुरक्षित और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित हो सके।

तमांग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, पिंक सिटी रनर - आमा दीदी बहिनी बस सेवा, हमारी सरकार की अनूठी पहल की शुरुआत भारत की माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी द्वारा किया जाना हमारे लिए अत्यंत गर्व का क्षण है।

बहुमंजिला इमारत की छत से गिरने के बाद फिल्म निर्माता अनिक दत्ता की मौत

कोलकाता/भाषा। फिल्म निर्माता अनिक दत्ता की बुधवार को कथित तौर पर दक्षिण कोलकाता स्थित अपने बहुमंजिला आवास की छत से गिरने के बाद मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उन्हें ढाकुरिया के पास एक निजी अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस की एक टीम ने घटनास्थल पर जांच शुरू कर दी है। हालांकि परिवार ने अभी तक कोई बयान जारी नहीं किया है। इस घटना के बाद कई अभिनेता, निर्देशक और बंगाली फिल्म उद्योग के सदस्य अस्पताल पहुंचे। अनिक दत्ता को 2012 में 'भूतेर भविष्यत' से प्रसिद्धि मिली थी।

बंगाल पुलिस ने भड़काऊ टिप्पणी करने के आरोप में तृणमूल विधायक को गिरफ्तार किया

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के तृणमूल विधायक को विजय जुलूस के दौरान कथित तौर पर भड़काऊ टिप्पणी करने के आरोप में ओडिशा के पुरी से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। बिष्णुपुर के विधायक दिलीप मंडल कथित तौर पर पुरी के एक होटल में ठहरे हुए थे। पुलिस ने उनका पता लगाने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उन्हें 'ट्रांजिट रिमांड' पर कोलकाता लाया जा रहा है। यह गिरफ्तारी मंडल के एक वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होने के कुछ दिनों बाद हुई है, जिसमें वह कथित तौर पर पश्चिम बंगाल भाजपा के कार्यकर्ताओं और समर्थकों को धमकी देते और भड़काऊ टिप्पणी करते हुए सुने गए।

प्रधानमंत्री मोदी ने भीषण गर्मी से निपटने के लिए राष्ट्रव्यापी दृष्टिकोण पर जोर दिया : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वैष्णव ने कहा कि पीएम ने सभी मंत्रालयों, विशेष रूप से स्वास्थ्य व जल संसाधन जैसे विभागों को उपयुक्त उपाय करने का दिया निर्देश

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को सभी केंद्रीय मंत्रियों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि उनके मंत्रालय और विभाग देश भर में जारी भीषण गर्मी के प्रभाव को कम करने के लिए आवश्यक कदम उठाएं।

मंत्रिमंडल की बैठक के बाद, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं से कहा कि प्रधानमंत्री ने भीषण गर्मी की स्थिति से निपटने के लिए ''राष्ट्रव्यापी'' दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर दिया।

वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सभी मंत्रालयों, विशेष रूप से स्वास्थ्य और जल संसाधन जैसे विभागों को, लोगों को भीषण गर्मी से बचाने के लिए उपयुक्त उपाय करने का निर्देश दिया है।

मंत्री ने कहा, ''प्रधानमंत्री ने कहा कि सभी मंत्रालयों, विशेषकर स्वास्थ्य और जल संसाधन जैसे मंत्रालयों को, लोगों को भीषण गर्मी से बचाने के लिए कदम उठाने चाहिए और इस संबंध में विचार करना चाहिए कि क्या उपाय किए जा सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसी बड़ी चुनौतियों का समाधान राष्ट्रव्यापी दृष्टिकोण के माध्यम से किया जाना चाहिए, जिसमें केंद्र, राज्य और नागरिक मिलकर काम करें।'' सरकार द्वारा किये जाने वाले उपायों के बारे में पूछे जाने पर, वैष्णव ने कहा कि संबंधित मंत्रालय और विभाग अपनी-अपनी कार्ययोजना बनाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि केंद्र ने राज्य सरकारों से भी संपर्क किया है।

बुधवार को मोदी ने देश के विभिन्न हिस्सों में बढ़ते तापमान के मद्देनजर देशवासियों से हर संभव सावधानी बरतने की अपील की।

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा, ''बच्चे, बुजुर्ग और बाहर काम करने वाले लोग भीषण गर्मी में सबसे अधिक प्रभावित होते हैं।'' उन्होंने कहा, ''इन चेतावनी संकेतों को नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है और यहां तक कि लू लगने का कारण भी बन सकता है। ऐसे मौसम में, समय पर देखभाल और ध्यान देना बहुत जरूरी है।''

सीबीएसई ओएसएम विवाद : राहुल ने सच्चाई का पता लगाने के लिए न्यायिक, एसआईटी जांच की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ओएसएम प्रणाली को लेकर जारी विवाद के बीच बुधवार को पूरे घोटाले के पीछे की सच्चाई उजागर करने के लिए स्वतंत्र न्यायिक व एसआईटी जांच मांग की और सवाल किया कि तेलंगाना में संदिग्ध रिकॉर्ड वाली कंपनी को बोर्ड ने किस वजह से ठेका दिया। केंद्र सरकार पर हमले तेज करते हुए गांधी ने कहा कि सीबीएसई के छात्र और उनके माता-पिता परेशान हैं, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पास कहने के लिए कुछ नहीं है।

सोशल मीडिया पर डाले गए एक वीडियो में गांधी ने कहा कि सीबीएसई की 12वीं कक्षा की परीक्षा के बारे में चौंकाने वाले विवरण सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा, परीक्षा के लिए ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) करने वाली सीओईएमपीटी वास्तव में ग्लोबरीना नाम की कंपनी थी। ग्लोबरीना ने पहले भी तेलंगाना में यह घोटाला दो बार किया है- एक बार 2019 में तेलंगाना की बोर्ड परीक्षा में और उसके बाद 2023 में। इन्हीं ओएसएम संबंधी त्रुटियों के कारण तेलंगाना में 23 युवाओं ने आत्महत्या की। उन्होंने कहा, यह सब जानकारी सार्वजनिक थी। यह सभी को पता था, फिर भी किसी गोपनीय कारण से सीबीएसई ने वही कंपनी फिर से चुनी। हमें यह पता लगाने में 30 सेकेंड लगे कि इस कंपनी का पहले कोई और नाम था। मुझे पूरा विश्वास है कि सीबीएसई और भारत सरकार के लोग इस कंपनी की पृष्ठभूमि से अवगत थे। उन्होंने सीबीएसई के छात्रों और उनके माता-पिता से अपील की कि वे उनका वीडियो साझा करें और उनके द्वारा उठाए गए सवाल सरकार और प्रधानमंत्री से पूछें। गांधी ने कहा, पहला सवाल, सीओईएमपीटी को सीबीएसई का ठेका किसने और क्यों दिया? दूसरा, कौन-सी प्रक्रियाएं दरकिनार करके सीओईएमपीटी को यह ठेका दिया गया? अगर हम 30 सेकेंड में यह पता लगा सकते हैं कि इस कंपनी का पहले कोई दूसरा नाम था, तो सीबीएसई यह क्यों नहीं पता लगा सकी और कोई पृष्ठभूमि जांच क्यों नहीं की गई? तीसरा, और सबसे महत्वपूर्ण सवालसीओईएमपीटी के प्रबंधन और मोदी सरकार के बीच क्या संबंध है। गांधी ने कहा कि इस घोटाले के पीछे असली दोषियों का पता लगाने के लिए एक स्वतंत्र न्यायिक और एसआईटी जांच आवश्यक है।

सुविचार

मीठा झूठ बोलने से अच्छा है, कड़वा सच बोलें, धोखा खाने से अच्छा है, हकीकत से सामना करें।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गौसेवा आधारित अर्थव्यवस्था बनाएं

गाय को राष्ट्रीय पशु का दर्जा देने की मांग तेज हो रही है। प्रमुख मुस्लिम संगठन भी इसका समर्थन कर रहे हैं, जो सुखद है। हिंदू धर्म में गाय को माता का दर्जा दिया गया है। इसे अत्यंत पवित्र माना जाता है। अगर केंद्र सरकार इस संबंध में कोई कानून बनाएगी तो देश के कोने-कोने से उसका समर्थन किया जाएगा। हालांकि एक बड़ा सवाल है- क्या इससे गौमाता की दशा वास्तव में सुधर जाएगी? आज गांवों से लेकर शहरों तक गौवंश की दुर्दशा हो रही है। गाय और बछड़े अक्सर कचरे में भोजन ढूंढ़ते और प्लास्टिक की थैलियां खाते नजर आते हैं। क्या गाय को राष्ट्रीय पशु का दर्जा मिल जाने के बाद इनके अच्छे दिन आ जाएंगे? ऐसा कोई कानून बनेगा या नहीं बनेगा - यह भविष्य में पता चलेगा। गौवंश के संरक्षण के लिए कानून जरूरी है, लेकिन इससे संपूर्ण संरक्षण सुनिश्चित नहीं होगा। जब तक समाज आगे नहीं आएगा, गौवंश की हालत में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। कई पशुपालक गाय को तब तक घास-चारा और पौष्टिक चीजें खिलाते हैं, उसकी देखभाल करते हैं, जब तक वह दूध देती है। जब वह बूढ़ी हो जाती है, दूध देना बंद कर देती है तो उसे दर-दर भटकने के लिए छोड़ देते हैं। बछड़ों की हालत और ज्यादा बुरी है। क्या यह क्रूरता नहीं है? वहीं, कुछ पशुपालक अपनी गाय को उसकी अंतिम सांस तक घर में रखते हैं। उसकी खूब सेवा करते हैं। हर विशेष अवसर पर उसका पूजन करते हैं। जब गाय दूध देने में असमर्थ हो जाती है तो वे उसे भटकने के लिए नहीं छोड़ते। ऐसे दयालु हैं कितने? गायों की हालत के लिए समाज भी कम जिम्मेदार नहीं है। लोग व्रत-श्राद्ध आदि पर गाय ढूंढ़ते हैं। उसे भोजन खिलाने और आशीर्वाद लेने के बाद ही अपना काम करते हैं। बाकी दिनों में कितने लोग उसकी परवाह करते हैं? जब दूध खरीदने की बात आती है तो ज्यादातर लोग भैंस का दूध अधिक मूल्य पर खरीदने को तैयार हो जाते हैं। गाय का दूध सस्ता खरीदना चाहते हैं। वह सिर्फ बीमारी में याद आता है।

क्या हम रोजाना गाय का दूध नहीं ले सकते? भले ही कम मात्रा में लें, लेकिन हर परिवार गाय का दूध खरीदे तो इससे गौवंश की मुश्किलें कम हो सकती हैं। कई गौशालाएं अच्छा काम कर रही हैं। वहां जन्मदिन, मकर संक्रांति, पुण्य तिथि और अन्य अवसरों पर दान देकर गौसेवा कर सकते हैं। गौशालाओं को ऐसे तरीके ढूंढ़ने होंगे, जो ज्यादा से ज्यादा गौवंश का संरक्षण करने में सहायक हों। उदाहरण के लिए- गाय के गोबर से दीपक और सुगंधित अगरबत्ती बनाकर वाजिब दाम पर बिक्री के लिए उपलब्ध करा सकते हैं। गौवंश के मूत्र से बहुत अच्छी गुणवत्ता का कीटनाशक बनाया जा सकता है, जो पेड़-पौधों के लिए लाभदायक होता है। साथ ही, यह धरती की उर्वरता बढ़ाता है। गौशाला में काफी मात्रा में गोबर इकट्ठा होता है। किसान इसे खेतों में डालने के लिए खरीदते हैं। जब मांग कम होती है तो गोबर का ढेर लग जाता है। इससे कई समस्याएं पैदा होती हैं। गौशालाओं को चाहिए कि वे गोबर बेचने के बजाय उससे केंचुआ खाद बनाएं। अच्छी गुणवत्ता के केंचुए लाएं और लोगों को बेहतर खाद उपलब्ध कराएं। केंचुआ खाद में सामान्य गोबर की खाद से ज्यादा पोषक तत्त्व होते हैं। किसानों को यह बात समझानी होगी कि केंचुआ खाद की कीमत गोबर से ज्यादा जरूर है, लेकिन यह आपके खेत को वर्षों तक फायदा देगी। लंबी अवधि के आधार पर गणना करें तो केंचुआ खाद सस्ती पड़ती है। यह धरती के सूक्ष्म जीवों को नष्ट नहीं करती, बल्कि उनके लिए उपयुक्त वातावरण तैयार करती है। शहरों में जो लोग अपने घरों में बगीचे लगाते हैं, वे भी केंचुआ खाद का उपयोग कर सकते हैं। गौवंश में अनेक दिव्य गुण हैं। वे अपने भोजन और दवाइयों के लिए खर्च खुद निकाल सकते हैं। अगर गौसेवा आधारित अर्थव्यवस्था का निर्माण हो तो किसी गौवंश को भटकना न पड़े।

ट्वीटर टॉक

देश के अलग-अलग हिस्सों में तापमान लगातार बढ़ रहा है, और इसके साथ ही रोज़मर्रा की ज़िंदगी में गर्मी से होने वाली कई मुश्किलें भी बढ़ रही हैं। मैं अपने सभी देशवासियों से गुज़ारिश करता हूँ कि जितना हो सके सावधानी बरतें।

गजेन्द्र सिंह शेखावत

अभी राजस्थान में नौतपा के कारण बहुत ज़्यादा गर्मी पड़ रही है। बढ़ते तापमान और हीटस्ट्रोक के असर को देखते हुए, मैं आप सभी से गुज़ारिश करता हूँ कि आप अपनी और अपने परिवार की सेहत और सुरक्षा को सबसे पहले रखें।

-भजनलाल शर्मा

वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के तहत बावड़ियों और तालाबों की सफाई, जल स्रोतों का संरक्षण, कचरा हटाने, जल संग्रहण क्षमता बढ़ाने तथा वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं को तैयार कराने का कार्य किया जाएगा, ताकि पेयजल और सिंचाई के लिए पानी का समुचित उपयोग सुनिश्चित हो सके।

-मदन राठौड़

प्रेरक प्रसंग

प्रेमचंद की गाय

उन दिनों प्रसिद्ध उपन्यास-लेखक मुंशी प्रेमचंद गोरखपुर में अध्यापक थे। उन्होंने अपने यहाँ गाय पाल रखी थी। एक दिन चरते-चरते उनकी गाय वहाँ के अंग्रेज़ जिलाधीश के आवास के बाहरवाले उद्यान में घुस गई। अभी वह गाय वहाँ जाकर खड़ी ही हुई थी कि वह अंग्रेज़ बंदूक लेकर बाहर आ गया और उसने गुस्से से आग बबूला होकर बंदूक में गोली भर ली।उसी समय अपनी गाय को खोजते हुए प्रेमचंद वहाँ पहुँच गए। अंग्रेज़ ने कहा कि 'यह गाय अब तुम यहाँ से ले नहीं जा सकते। तुम्हारी इतनी हिम्मत कि तुमने अपने जानवर को मेरे उद्यान में घुसा दिया। मैं इसे अभी गोली मार देता हूँ, तभी तुम काले लोगों को यह बात समझ में आएगी कि हम यहाँ हुकूमत कर रहे हैं।' और उसने भरी बंदूक गाय की ओर तान दी। प्रेमचंद ने नरमी से उसे समझाने की कोशिश की, 'महोदय! इस बार गाय पर मेहरबानी करें। दूसरे दिन से इधर नहीं आएगी। मुझे ले जाने दें साहब। यह ग़लती से यहाँ आई।' फिर भी अंग्रेज़ झल्लाकर यही कहता रहा, 'तुम काला आदमी ईडियट हो - हम गाय को गोली मारेगा।' और उसने बंदूक से गाय को निशान बनाना चाहा।

सामयिक

इबोला के खतरे के बीच सतर्क हुआ भारत

महेन्द्र तिवारी

अफ्रीका के कुछ देशों में इबोला विषाणु के नए और बेहद खतरनाक प्रकोप ने पूरी दुनिया को एक बार फिर से चिंता और सतर्कता की स्थिति में ला खड़ा किया है। युगांडा और कांगो जैसे देशों में तेजी से फैल रहे इस घातक संक्रमण को देखते हुए भारत ने भी अपनी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं और विशेषकर हवाई अड्डों पर निगरानी को अत्यधिक कड़ा कर दिया है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने नई और सख्त मानक संचालन प्रक्रिया लागू करते हुए विमानन कंपनियों और हवाई अड्डा प्रशासन को विशेष निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों का मुख्य उद्देश्य किसी भी संभावित संक्रमित व्यक्ति की समय रहते पहचान करना और इस बीमारी को देश के भीतर फैलने से रोकना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 17 मई 2026 को इस प्रकोप को अंतरराष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति घोषित कर दिया। संगठन के अनुसार कांगो और युगांडा में तेजी से फैल रहे संक्रमण ने वैश्विक चिंता को बढ़ा दिया है। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार 246 संदिग्ध मामले और 80 मौतें दर्ज की गई थीं, लेकिन बाद में यह संख्या लगातार बढ़ती चली गई। कई रिपोर्टों में 600 से अधिक संदिग्ध मामलों और 139 से अधिक मौतों का उल्लेख किया गया है। कुछ ताजा रिपोर्टों में 900 से अधिक संदिग्ध मामलों और 220 संभावित मौतों की भी आशंका जताई गई है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह संक्रमण बंडिबुग्यो प्रकार के इबोला विषाणु से जुड़ा हुआ है। इस प्रकार को बेहद खतरनाक इसलिए माना जा रहा है क्योंकि इसके लिए अब तक कोई स्वीकृत और पूरी तरह प्रभावी टीका उपलब्ध नहीं है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी स्वीकार किया है कि इस प्रकार के संक्रमण के लिए अभी केवल सहायक उपचार ही संभव है। यही कारण है कि संक्रमित व्यक्ति की जल्दी पहचान और उसे तुरंत अलग करना सबसे प्रभावी उपाय माना जा रहा है। भारत सरकार ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सभी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर विशेष निगरानी शुरू कर दी है। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई जैसे बड़े हवाई अड्डों पर अतिरिक्त स्वास्थ्य दल तैनात किए गए हैं। अफ्रीकी देशों से आने वाले यात्रियों की उष्मीय जांच की जा रही है ताकि बुखार या संक्रमण के शुरुआती संकेत तुरंत पकड़े जा सकें। यात्रियों से स्वास्थ्य घोषणा पत्र भी भरवाए जा रहे हैं जिनमें उनकी पिछली यात्राओं और स्वास्थ्य स्थिति से संबंधित जानकारी ली जा रही है।

कोविड महामारी के दौरान मिले अनुभवों के आधार पर इस बार पहले से ही तैयारी शुरू कर दी गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय लगातार विश्व स्वास्थ्य संगठन और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के संपर्क में है ताकि ताजा जानकारी मिलती रहे और जरूरत पड़ने पर तुरंत कदम उठाए जा सकें।

इबोला का सबसे खतरनाक पहलू इसका लंबा उद्भवन काल माना जाता है। संक्रमण के बाद लक्षण सामने आने में 2 से 21 दिन तक का समय लग सकता है। इस दौरान संक्रमित व्यक्ति सामान्य दिखाई दे सकता है लेकिन वह दूसरों को संक्रमित करने की क्षमता रखता है। इसी कारण भारत में आने वाले यात्रियों की पिछले 1 महीने की यात्रा जानकारी को बारीकी से जांचा जा रहा है। यदि कोई यात्री हाल में प्रभावित देशों में गया हो या वहां से होकर आया हो तो उस पर अतिरिक्त निगरानी रखी जा रही है। हवाई अड्डों पर विशेष पृथक कक्ष बनाए गए हैं ताकि किसी यात्री में लक्षण मिलने पर उसे तुरंत सामान्य लोगों से अलग किया जा सके। ऐसे यात्रियों के रक्त और अन्य नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशालाओं में भेजा जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने अस्पतालों को भी तैयार रहने के निर्देश दिए हैं। डॉक्टरों और नर्सों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि वे संक्रमण से सुरक्षित रहते हुए मरीजों का इलाज कर सकें। सुरक्षात्मक कपड़े, दस्ताने और उच्च गुणवत्ता वाले मास्क के उपयोग को अनिवार्य किया गया है।

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने विमानन कंपनियों को भी सख्त निर्देश दिए हैं। यदि उड़ान के दौरान कोई यात्री अचानक तेज बुखार, उल्टी, कमजोरी या रक्तस्राव जैसे लक्षण दिखाता है तो चालक दल को तुरंत वायु यातायात नियंत्रण और स्वास्थ्य अधिकारियों को सूचना देनी होगी। कुछ मामलों में संदिग्ध यात्रियों को विमान में अलग सीटों पर बैठाने और उनके संपर्क में आए यात्रियों की जानकारी सुरक्षित रखने के निर्देश भी दिए गए हैं ताकि आवश्यकता पड़ने पर उनसे संपर्क किया जा सके। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार इबोला दुनिया की सबसे घातक बीमारियों में से एक है। यह बीमारी संक्रमित व्यक्ति के खून, पसीने, उल्टी, लार या शरीर के अन्य तरल पदार्थों के संपर्क से फैलती है। इसके शुरुआती लक्षण सामान्य वायरल बुखार जैसे लग सकते हैं। मरीज को तेज बुखार, सिरदर्द, गले में दर्द, कमजोरी और मांसपेशियों में दर्द होता है। बाद में उल्टी, दस्त और गंभीर स्थिति में आंतरिक या बाहरी रक्तस्राव शुरू हो सकता है। यही कारण है कि शुरुआती पहचान को अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है।

युगांडा और कांगो में स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। कई स्वास्थ्यकर्मी भी संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चेतावनी दी है कि संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों, सीमित स्वास्थ्य सुविधाओं और स्थानीय अविश्वास के कारण संक्रमण को नियंत्रित करना बेहद कठिन हो रहा है। कुछ इलाकों में उपचार केंद्रों पर हमले तक किए गए हैं जिससे राहत कार्य प्रभावित हुए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि आज की दुनिया पहले की तुलना में कहीं अधिक जुड़ी हुई है। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों और व्यापार के कारण कोई भी संक्रमण कुछ घंटों में दूसरे महाद्वीप तक पहुंच सकता है। यही कारण है कि अमेरिका, कनाडा, सिंगापुर और यूरोप के कई देशों ने भी यात्रियों की अतिरिक्त जांच और निगरानी शुरू कर दी है। कई देशों ने प्रभावित क्षेत्रों की यात्रा को लेकर चेतावनी भी जारी की है। भारत में फिलहाल इबोला का कोई पुष्ट मामला सामने नहीं आया है लेकिन सरकार कोई जोखिम लेने के पक्ष में नहीं है।

कोविड महामारी के दौरान मिले अनुभवों के आधार पर इस बार पहले से ही तैयारी शुरू कर दी गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय लगातार विश्व स्वास्थ्य संगठन और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के संपर्क में है ताकि ताजा जानकारी मिलती रहे और जरूरत पड़ने पर तुरंत कदम उठाए जा सकें। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि लोगों को घबराने की आवश्यकता नहीं है लेकिन सावधानी बहुत जरूरी है। यदि कोई व्यक्ति हाल में प्रभावित देशों से लौटा हो और उसे बुखार, कमजोरी, उल्टी या रक्तस्राव जैसे लक्षण महसूस हों तो उसे तुरंत अस्पताल जाकर जांच करानी चाहिए। बीमारी को छिपाना या इलाज में देरी करना समाज के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। लोगों को हाथों की सफाई, संक्रमित व्यक्ति से दूरी और स्वास्थ्य संबंधी निर्देशों का पालन करना चाहिए। इबोला के बढ़ते मामलों ने दुनिया को एक बार फिर यह याद दिलाया है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को हर समय तैयार रहना चाहिए। महामारी केवल स्वास्थ्य संकट नहीं होती बल्कि वह सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक चुनौती भी बन जाती है। यदि समय रहते तैयारी न की जाए तो छोटी सी लापरवाही भी बड़े संकट में बदल सकती है। फिलहाल भारत की कोशिश यही है कि यह बीमारी देश की सीमाओं तक पहुंचे ही नहीं और यदि कोई मामला सामने आए भी तो उसे तुरंत नियंत्रित किया जा सके ताकि देश की जनता सुरक्षित रह सके।

नजरिया

क्या आम आदमी विकास से बाहर छूट रहा है?

ललित गर्ग

मो. 9811051133

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद नए भारत के निर्माण के जिन आधार स्तंभों की कल्पना की गई थी, उनमें शिक्षा और चिकित्सा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई थी। यह माना गया था कि यदि देश के नागरिक शिक्षित, स्वस्थ और जागरूक होंगे तो लोकतंत्र मजबूत होगा, सामाजिक असमानताएं कम होंगी और राष्ट्र विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा। शिक्षा को व्यक्ति निर्माण और चिकित्सा को जीवन रक्षा का माध्यम माना गया था। लेकिन स्वतंत्रता के लगभग आठ दशकों बाद स्थिति चिंताजनक प्रश्न खड़े करती है कि क्या ये दोनों क्षेत्र अपने मूल उद्देश्य से भटककर व्यवसाय और बाजार के अधीन नहीं हो गए हैं? आज शिक्षा और चिकित्सा दोनों क्षेत्रों में जो विसंगतियां दिखाई देती हैं, वे केवल व्यवस्थागत संकट नहीं बल्कि सामाजिक संकट का रूप ले चुकी हैं। एक ओर शिक्षा व्यवस्था परीक्षा, अंकों और प्रतिस्पर्धा की आर्थिक मशीन बन गई है, वहीं दूसरी ओर चिकित्सा सेवा लाभ-हानि के गणित में उलझती दिखाई देती है। इन दोनों क्षेत्रों की बढ़ती व्यावसायिकता ने आम आदमी को सबसे अधिक प्रभावित किया है। शिक्षा का मूल उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं था। शिक्षा अब डिग्री, नौकरी और प्रतिस्पर्धा तक सीमित होती दिखाई देती है।

शिक्षा व्यवस्था की विफलताओं का सबसे भयावह चेहरा कोटा, सीकर और अन्य कोचिंग एवं शिक्षा केंद्रों में बढ़ती छात्र आत्महत्याओं के रूप में सामने आया है। कोटा, जो कभी देश की शैक्षणिक आकांक्षाओं का केंद्र माना जाता था, अब विद्यार्थियों पर बढ़ते मानसिक दबाव, प्रतिस्पर्धा, अकेलेपन और असफलता के भय के कारण आत्महत्या की घटनाओं से लगातार चर्चा में रहा है। कोटा, सीकर तथा अन्य कोचिंग नगरों में पिछले वर्षों में अनेक विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटनाओं ने शिक्षा व्यवस्था की संवेदनहीनता को उजागर किया है। राजस्थान के सीकर में नीट परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र की आत्महत्या की घटना इसी विडंबना का उदाहरण है। परीक्षा रद्द होने से उत्पन्न अनिश्चितता और मानसिक तनाव ने एक संभावनाशील जीवन समाप्त कर दिया। यह घटना अकेली नहीं है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार वर्ष 2024 में 14,488 विद्यार्थियों ने आत्महत्या की। औसतन हर 36 मिनट में एक विद्यार्थी जीवन समाप्त कर रहा है। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं बल्कि शिक्षा व्यवस्था की सामूहिक विफलता है।

दूसरी ओर नीट, नेट, प्रतियोगी भर्ती परीक्षाओं तथा अन्य राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में बार-बार पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने, परिणामों में विवाद और अनिश्चितता की स्थितियों ने विद्यार्थियों में गहरा असंतोष और अविश्वास पैदा किया है। वर्षों की तैयारी करने वाले छात्र जब परीक्षा प्रणाली को ही अविश्वसनीय पाते हैं तो उनमें निराशा और मानसिक तनाव बढ़ना स्वाभाविक है। आज परीक्षा प्रणाली अविश्वसनीय होती जा रही है। प्रश्नपत्र लीक होना, परीक्षाओं का रद्द होना, मूल्यांकन विवाद, शोध कार्यों में साहित्यिक चोरी, पीएचडी प्रक्रियाओं का औपचारिक बन जाना और कोचिंग संस्कृति का बढ़ना शिक्षा के बाजारीकरण की तस्वीर प्रस्तुत करता है। शिक्षा अब ज्ञान से अधिक निवेश और प्रतिफल का विषय बनती जा रही है। धीरे-धीरे शिक्षा सेवा से व्यवसाय में बदलती गई। बड़े निजी विद्यालय, कोचिंग संस्थान और विश्वविद्यालय आज करोड़ों के उद्योग बन चुके हैं। डॉक्टर और इंजीनियर बनाने के सपनों का ऐसा व्यापार खड़ा हुआ जिसमें अभिभावक आर्थिक रूप से टूटने लगे। आज एक सामान्य परिवार अपने बच्चों की शिक्षा के लिए जीवन भर की बचत खर्च करने को विवश है। विद्यालयों की ऊंची फीस, निजी कोचिंग, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और उच्च शिक्षा की महंगी व्यवस्था ने शिक्षा को आम आदमी की पहुंच से दूर कर दिया है।

इसी प्रकार चिकित्सा क्षेत्र की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। चिकित्सा को कभी सेवा का क्षेत्र माना जाता था, लेकिन आज निजी चिकित्सालयों की बढ़ती संख्या और उनकी व्यावसायिक प्रवृत्ति ने आम नागरिक को संकट में डाल दिया है। इलाज इतना महंगा हो गया है कि अनेक परिवार बीमारी के कारण आर्थिक रूप से टूट जाते हैं। निजी अस्पतालों में उपचार, जांच, आईसीयू, दवाओं का खर्च और नकली दवाओं में जीवन समाप्त होने की घटनाएं लगातार बढ़ी है। अनेक मामलों में अनावश्यक परीक्षण, अत्यधिक शुल्क और व्यावसायिक दृष्टिकोण की शिकायतें सामने आती रहती हैं। चिकित्सा सेवा का उद्देश्य रोगी को राहत देना था, लेकिन कई स्थानों पर वह लाभ कमाने की प्रणाली में बदलती दिखाई देती है। जगह-जगह खुले निजी अस्पताल और शिक्षण संस्थान एक प्रकार की प्रतिस्पर्धा में उतर आए हैं। लेकिन यह प्रतिस्पर्धा गुणवत्ता की अपेक्षा लाभ कमाने की अधिक दिखाई देती है। परिणाम यह हुआ कि शिक्षा और चिकित्सा दोनों ही सामान्य नागरिक की आर्थिक क्षमता से बाहर जाने लगी हैं। इन परिस्थितियों का एक सामाजिक दुष्परिणाम भी सामने आया है। आर्थिक दबाव, भविष्य की अनिश्चितता, शिक्षा का तनाव, महंगी चिकित्सा और रोजगार संकट के कारण अवसाद, मानसिक तनाव और आत्महत्या की घटनाएं बढ़ रही हैं। युवा पीढ़ी उपलब्धियों के दबाव में टूट रही है, जबकि परिवार आर्थिक बोझ से जूझ रहे हैं।

शिक्षा मंत्रालय को अधिक सशक्त, उत्तरदायी और कठोर भूमिका निभाते हुए परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी, तकनीक आधारित और सुरक्षित बनाना होगा। इसी प्रकार चिकित्सा क्षेत्र में देशभर में स्थापित हुए नए एम्स संस्थानों एवं उच्च चिकित्सा केंद्रों का लाभ वास्तव में आम नागरिक तक सरल, सस्ती और सुलभ व्यवस्था के रूप में पहुंचे, यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है। आज आवश्यकता केवल बड़े अस्पताल बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें सर्वसुविधायुक्त, विशेषज्ञ सेवाओं से युक्त तथा दूरदराज और पिछड़े क्षेत्रों तक विस्तारित करने की है, ताकि महानगरों पर निर्भरता कम हो और ग्रामीण तथा वंचित वर्ग भी उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाओं का लाभ सहजता से प्राप्त कर सके। नई शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा को अधिक व्यावहारिक, कौशल आधारित और बहुआयामी बनाने का प्रयास हुआ है। देश में नए आईआईटी, आईआईएम, केंद्रीय विश्वविद्यालय, एम्स और चिकित्सा संस्थानों की स्थापना की गई। उच्च शिक्षा और उच्च चिकित्सा के नए केंद्र विकसित हुए हैं। मेडिकल कॉलेजों की संख्या में वृद्धि हुई और स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के प्रयास किए गए।

यह कहना भी उचित नहीं होगा कि पूरा परिदृश्य केवल निराशाजनक है। पिछले वर्षों में शिक्षा और चिकित्सा क्षेत्र में कुछ सकारात्मक प्रयास भी हुए हैं। विशेष रूप से जब से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार आई, तब इन क्षेत्रों की संरचनात्मक कमियों की ओर अपेक्षाकृत गंभीर ध्यान दिया गया। चिकित्सा क्षेत्र में आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने गरीब वर्ग को राहत देने का प्रयास किया है। जिला स्तर तक चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार की दिशा में भी पहल हुई है। शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल शिक्षा, कौशल विकास और स्थानीय भाषाओं में अध्ययन पर बल दिया गया। लेकिन भारत जैसी विशाल जनसंख्या वाले देश में ये प्रयास अभी पर्याप्त नहीं कहे जा सकते। जिस गति से जनसंख्या बढ़ी है, उस अनुपात में सरकारी शिक्षा और चिकित्सा संस्थानों का विस्तार नहीं हो पाया। यही कारण है कि निजी क्षेत्र ने उस खाली स्थान को भर दिया और धीरे-धीरे प्रमुख भूमिका में आ गया। अब आवश्यकता केवल नए संस्थान खोलने की नहीं बल्कि सरकारी शिक्षा और चिकित्सा को अधिक प्रभावी, सुलभ और उद्देश्यपूर्ण बनाने की है। सरकारी विद्यालयों और अस्पतालों की गुणवत्ता बढ़ानी होगी। उनमें आधुनिक संसाधन, प्रशिक्षित मानवबल और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। निजी शिक्षा और चिकित्सा संस्थानों पर प्रभावी नियंत्रण भी आवश्यक है। शिक्षा और चिकित्सा को पूर्णतः बाजार की शक्तियों पर नहीं छोड़ा जा सकता, क्योंकि ये केवल आर्थिक गतिविधियां नहीं बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व हैं। शिक्षा नीति को समाज और जीवन से जोड़ना होगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा और चिकित्सा को पुनः सेवा और राष्ट्र निर्माण के मूल उद्देश्य से जोड़ा जाए। यदि ये दोनों क्षेत्र केवल व्यापार बन गए तो सामाजिक असमानता और बढ़ेगी, प्रतिभाएं टूटेंगी और आम आदमी विकास की मुख्यधारा से बाहर होता जाएगा। भारत के भविष्य की दिशा इस बात से तय होगी कि शिक्षा और चिकित्सा कितनी सुलभ, समान और मानवीय बनती हैं। सरकार, समाज, नीति निर्माताओं और निजी क्षेत्र को मिलकर ऐसी व्यवस्था विकसित करनी होगी जिसमें कोई बच्चा आर्थिक कारणों से शिक्षा से वंचित न हो और कोई नागरिक उपचार के अभाव में पीड़ित न रहे। यही स्वतंत्र भारत की मूल भावना थी और यही भविष्य का मार्ग भी होना चाहिए।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गोयल ने कनाडा के निवेशकों को स्वच्छ ऊर्जा, एआई क्षेत्र में भागीदारी के लिए आमंत्रित किया

नयी दिल्ली/दक्षिण भारत। भारत और कनाडा के बीच निवेश सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कनाडा के प्रमुख पेंशन कोष, सॉवरेन और संस्थागत निवेशकों के साथ बैठकें कीं। इन बैठकों में गोयल ने निवेशकों को भारत के साथ स्वच्छ ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, डिजिटल ढांचे, कृत्रिम मेधा (एआई) और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में भागीदारी का न्योता दिया। मंत्री तीन दिन आधिकारिक यात्रा पर कनाडा में हैं। गोयल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, कनाडा-भारत निवेश गोलमेज' की कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू के साथ अध्यक्षता की।

इस दौरान उन्होंने भारत में निवेश के बढ़ते अवसरों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में गोयल ने कहा कि भारत बुनियादी ढांचे, वित्तीय क्षेत्र सुधारों और कारोबार सुगमता पर लगातार काम कर रहा है, जिससे वैश्विक निवेशकों के लिए नए अवसर पैदा हो रहे हैं। उन्होंने निवेशकों को स्वच्छ ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, डिजिटल ढांचे, एआई और विनिर्माण क्षेत्रों में भारत के साथ साझेदारी के लिए आमंत्रित किया। गोयल ने कई प्रमुख कारोबारी दिग्गजों के साथ भी द्विपक्षीय बैठकें कीं। इनमें फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंगस के वी प्रेम वत्स, मनुलाइफ फाइनेंशियल कॉरपोरेशन के अध्यक्ष और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) फिलिप विदरिंगटन, सनलाइफ कनाडा के अध्यक्ष और सीईओ केविन स्ट्रेन, टोरंटो डोमिनियन बैंक ग्रुप के अध्यक्ष और सीईओ रेमंड चुन, नियो परफार्मेंस मैटिरियल्स के अध्यक्ष और सीईओ रहीम सुलेमान और मैक्केन फूड्स के अध्यक्ष और सीईओ मैक्स कोइयून शामिल हैं।

पूजा

भाजपा सांसद दिनेश शर्मा बुधवार को 'पद्मिनी एकादशी' के त्योहार के अवसर पर मिर्ज़ापुर के विंध्यवासिनी मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए।

अक्षय कुमार के साथ स्क्रीन शेयर कर अक्षरा सिंह बेहद खुश, बड़ा मंच मिलने पर जताया गर्व

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी अभिनेत्री और सिंगर अक्षरा सिंह अपकमिंग फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' के भोजपुरी गाने को लेकर चर्चा में हैं। इस गाने में वह अभिनेता अक्षय कुमार के साथ 'घिस घिस घिस' गाने में एनर्जेटिक अंदाज में नजर आईं। अक्षरा ने इस अनुभव को अपने करियर का बेहद खास पल बताया। उन्होंने कहा कि भोजपुरी भाषा को इतने बड़े मंच पर प्रस्तुत करना उनके लिए गर्व की बात है। आईएएनएस से बातचीत में अक्षरा सिंह ने कहा, मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे अक्षय कुमार के साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिला। यह मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे अक्षय सर के साथ काम करने का मौका मिलेगा। सबसे बड़ी खुशी इस बात की है कि मैं अपनी भोजपुरी भाषा और संस्कृति को इतने बड़े स्तर पर पेश कर पाई। उन्होंने बताया कि शूटिंग के दौरान अक्षय कुमार ने उनका काफी सपोर्ट किया। सेट पर माहौल बेहद सहज था, जिससे वह खुलकर डांस और एक्सप्रेशन दे सकीं। अक्षरा ने कहा कि अक्षय कुमार भोजपुरी भाषा को समझने में भी काफी रुचि दिखा रहे थे। उन्होंने भोजपुरी लाइन का उच्चारण और उसका मतलब भी उनसे पूछा। हालांकि, गाने की शूटिंग के समय अक्षय कुमार को तेज बुखार था, उनकी तबीयत ठीक नहीं थी, लेकिन जैसे ही गाना शुरू होता था, उनकी एनर्जी देखने लायक होती थी। स्टेप्स और एक्सप्रेशन को लेकर अक्षय कुमार का उत्साह काफी प्रेरणादायक रहा।

अक्षय कुमार के साथ ही अक्षरा ने कोरियोग्राफर गणेश आचार्य के साथ काम करने का भी अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया, मैं बचपन से उनकी कोरियोग्राफी की प्रशंसक रही हैं। सेट पर गणेश आचार्य ने मुझे काफी सपोर्ट किया। जब मैं किसी शॉट को लेकर थोड़ा घबरा रही थीं, तब गणेश आचार्य ने टीम से कहा कि अक्षरा यह शॉट आसानी से कर लेंगी। इतने बड़े एक्टर्स और तकनीशियनों से प्रोत्साहन मिलना किसी भी कलाकार के लिए बहुत बड़ी बात होती है। शूटिंग के दौरान मुझे एक्सप्रेशन, टाइमिंग और कैमरे के सामने प्रस्तुति की कई बारीकियां सीखने का मौका मिला।जब उनसे शूटिंग के सबसे यादगार पल के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि पूरा अनुभव ही उनके लिए यादगार रहा। अक्षरा के मुताबिक, अक्षय कुमार का उनसे भोजपुरी लाइनें सीखना और गणेश आचार्य का उन्हें लगातार गाइड करना उनके लिए बेहद खास पल थे। बातचीत के दौरान अक्षरा सिंह ने बिहार और भोजपुरी इंडस्ट्री के लोगों का भी आभार जताया। उन्होंने कहा कि वह बिहार की बेटी हैं और चाहती हैं कि लोग भोजपुरी भाषा और संस्कृति को गर्व के साथ देखें। उन्होंने उम्मीद जताई कि लोगों का प्यार और आशीर्वाद उन्हें आगे बढ़ने की ताकत देता रहेगा।

मेरी इच्छा है कि मोदी सरकार लंबे समय तक देश का नेतृत्व करती रहे : विपुल शाह

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म निर्माता और निर्देशक विपुल अमृतलाल शाह इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'गवर्नर' को लेकर चर्चा में हैं। वह इस फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं। जब आईएएनएस ने उनसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 साल के कार्यकाल पर प्रतिक्रिया मांगी, तो विपुल शाह ने कहा कि उन्हें बेहद खुशी है कि भारत को नरेंद्र मोदी जैसा नेतृत्व मिला। पिछले कुछ सालों में भारत की छवि पूरी दुनिया में बदली है और आज देश एक मजबूत ग्लोबल पावर के रूप में देखा जा रहा है। आईएएनएस से बात करते हुए विपुल शाह ने आगे कहा, ''आज दुनिया भारत को पहले से बिल्कुल अलग नजर से देख रही है। देश ने कई क्षेत्रों में तेजी से विकास किया है और लोगों के अंदर भी नए भारत को लेकर आत्मविश्वास बढ़ा है। भारत में अब एक नए दौर की शुरुआत हुई है। देश लगातार आगे बढ़ रहा है और आने वाले समय में भारत दुनिया के सबसे ताकतवर देशों में शामिल हो सकता है।'' उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वह चाहते हैं कि यह सरकार लंबे समय तक देश का नेतृत्व करती रहे और भारत को 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य तक पहुंचाए।

अगर विपुल शाह के करियर की बात करें, तो उन्होंने अपने सफर की शुरुआत गुजराती थिएटर से की थी। उन्होंने कई गुजराती नाटकों का निर्देशन किया, जिन्हें दर्शकों ने काफी पसंद किया। इसके बाद उन्होंने फिल्मों की दुनिया में कदम रखा और धीरे-धीरे बॉलीवुड के सफल निर्देशकों और निर्माताओं में अपनी जगह बनाई। उनकी शुरुआती गुजराती फिल्म 'दरिया छोरू' थी, जिसने उन्हें पहचान दिलाई।हिंदी सिनेमा में विपुल शाह ने फिल्म 'आखें' से निर्देशन की शुरुआत की। यह फिल्म दर्शकों को काफी पसंद आई और बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई। फिल्म में अमिताभ बच्चन, अक्षय कुमार, अर्जुन रामपाल और परेश रावल जैसे बड़े कलाकार नजर आए थे।

दिल्ली के अस्पताल में रोबोट की मदद से देश की 'पहली' किडनी बाईपास सर्जरी

नयी दिल्ली/भाषा

दिल्ली के एक अस्पताल में रोबोट की मदद से 67-वर्षीय एक महिला की 'स्प्लीनोरीनल बाईपास सर्जरी' की गई, जिसकी एक ही किडनी काम कर रही थी। अस्पताल ने इस सर्जरी के भारत में अपनी तरह की पहली सर्जरी होने का दावा किया है। 'स्प्लीनोरीनल बाईपास सर्जरी' एक संवहनी प्रक्रिया है, जिसमें प्लीहा धमनी को बाईं वृक्क धमनी से जोड़ा जाता है, ताकि किडनी में रक्त प्रवाह बहाल हो सके। यह सर्जरी मुख्य रूप से रीनोवैस्कुलर उच्च रक्तचाप के इलाज के लिए या मुख्य महाधमनी में रोग होने पर किडनी की कार्यक्षमता बनाए रखने के लिए की जाती है। साकेत स्थित मैक्स सुपरस्पेशियल्टी अस्पताल के मुताबिक, लखनऊ की रहने वाली जिस महिला की सर्जरी की गई, वह गंभीर 'रीनल आर्टरी स्टेनोसिस' (किडनी को रक्त की आपूर्ति करने वाली धमनी में सिकुड़न) से पीड़ित थी और तीन 'एंटी-हाइपरटेंसिव' (उच्च रक्तचाप की समस्या के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दवाएं) लेने के बावजूद उसका रक्तचाप नियंत्रित नहीं हो पा रहा था। अस्पताल के अनुसार, महिला की दाईं किडनी पहले ही सर्जरी के जरिये निकाली जा चुकी थी और बाद में उसकी बाईं किडनी में रक्त की आपूर्ति करने वाली धमनी में गंभीर सिकुड़न की बात सामने आई। अस्पताल ने बताया कि धमनी में सिकुड़न के कारण महिला की बाईं किडनी में खून की आपूर्ति घट गई, जिससे उसका रक्तचाप अनियंत्रित हो गया।

अस्पताल ने कहा कि डॉक्टरों ने महिला की 'स्प्लीनोरीनल बाईपास सर्जरी' करने का फैसला किया, जिसके तहत उसकी प्लीहा धमनी (प्लीहा को रक्त की आपूर्ति करने वाली धमनी) को वृक्क धमनी (ऑक्सीजन युक्त रक्त को उदर महाधमनी से सीधे किडनी तक ले जाने वाली धमनी) से जोड़ा गया, ताकि अवरुद्ध हिस्से को बाईपास करके किडनी में रक्त की आपूर्ति बहाल की जा सके। अस्पताल के मुताबिक, यह जटिल सर्जरी अस्पताल के मूत्ररोग, किडनी प्रतिरोपण, रोबोटिक्स और यूरो-ऑन्कोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनंत कुमार के नेतृत्व में की गई। अस्पताल ने कहा कि रोबोट की मदद लेने के फैसले ने चिकित्सकों की टीम को कम से कम चीर-फाड़ और अधिक सटीकता के साथ धमनियों को आपस में जोड़ने में सक्षम बनाया।

अस्पताल के अनुसार, सर्जरी के बाद महिला की हालत में तेजी से सुधार हो रहा है और वह अगले दिन से न सिर्फ चलने-फिरने लगी, बल्कि उसका रक्तचाप भी उल्लेखनीय रूप से नियंत्रित रहने लगा। उसने कहा कि सर्जरी के बाद की जांच में महिला की किडनी में रक्त प्रवाह सुचारु होने की भी पुष्टि हुई है। डॉ. कुमार ने कहा, 'रीनल आर्टरी स्टेनोसिस' उस समय खास तौर पर बहुत चुनौतीपूर्ण हो सकता है, जब यह एकमात्र कार्यशील किडनी को प्रभावित करता है, क्योंकि खून की आपूर्ति में लंबे समय तक व्यवधान से मरीज की किडनी को अपरिवर्तनीय नुकसान हो सकता है ।

जागरुकता

जालंधर में 'विश्व आपातकालीन चिकित्सा दिवस 2026' के अवसर पर फोर्टिस अस्पताल जालंधर द्वारा ट्रैफिक पुलिस कर्मियों के लिए आयोजित एक आपातकालीन प्रतिक्रिया कार्यशाला के दौरान, यमराज की पोशाक पहने एक व्यक्ति ने पुलिस कर्मी के साथ मिलकर बिना हेलमेट के स्कूटी चला रहे एक सवार को रोका।

'सेवन एंड ए हाफ डेट्स' में संगीत कहानी की जान

मुंबई/एजेन्सी

डिजिटल मनोरंजन की दुनिया में आने वाली म्यूजिकल मिनी सीरीज 'सेवन एंड ए हाफ डेट्स' काफी चर्चा में है। यह सीरीज रोमांस, इमोशन्स और म्यूजिक को एक साथ जोड़कर दर्शकों को एक नया अनुभव देने की कोशिश करती है। इसमें हर गाना कहानी और किरदारों की भावनाओं को आगे बढ़ाने का काम करता है। इस सीरीज में 'प्यार मेरा' गाने को प्लेबैक सिंगर असीस कौर ने अपनी आवाज दी है। असीस कौर ने कहा, ''यह गाना इंसानी रिश्तों की नर्मी, भावनात्मक कमजोरी और दिल के जुड़ाव को बहुत खूबसूरती से दिखाता है। इस गाने में प्यार के उस एहसास को दिखाने की कोशिश की गई है, जहां इंसान खुद को पूरी तरह किसी के सामने खोल देता है।'' असीस कौर ने आगे कहा, ''इसी मिनीसीरीज का हिस्सा बनना मेरे लिए एक बेहद खास अनुभव रहा। इस प्रोजेक्ट में म्यूजिक और कहानी को जिस तरीके से जोड़ा गया है, वह काफी अलग और नया है। आमतौर पर फिल्मों और सीरीज में गाने कहानी के बीच आते हैं, लेकिन यहां म्यूजिक खुद कहानी का हिस्सा बन गया है। 'प्यार मेरा' केवल एक रोमांटिक गाना नहीं है, बल्कि यह दो लोगों के रिश्ते की भावनात्मक गहराई को समझाने का जरिया भी है।''

इस गाने को असीस कौर ने गोल्डी सोहेल के साथ मिलकर गाया है। वहीं इस सीरीज में करण वाही और सुरभि ज्योति मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह मिनीसीरीज यूट्यूब पर रिलीज होगी।

यह मिनीसीरीज कुल आठ एपिसोड में दिखाई जाएगी। इसकी कहानी दो ऐसे लोगों के इर्द-गिर्द घूमती है जो रिश्तों, भावनाओं, दिल टूटने, भरोसे और खुद को दोबारा संभालने जैसी परिस्थितियों से गुजरते हैं। इस प्रोजेक्ट के गानों में कई और कलाकारों ने भी अपनी आवाज दी है। 'दुनिया' और 'चांदनी रात' जैसे गाने हंसिका पारीक ने गाए हैं, जबकि 'ढोलना' को गोल्डी सोहल ने आवाज दी है।

दो दशक बाद फिर लौटा 'वीवा' का जादू

मुंबई/एजेन्सी

एक समय था जब दोस्तों को मोबाइल फोन में ब्लूटूथ से गाने भेजा करते थे और फ्लिप फोन इस्तेमाल करते थे। उसी दौर में भारत के पहले पॉप गर्ल बैंड 'वीवा' ने संगीत की दुनिया में ऐसा जादू चलाया था, जिसने पूरे एक दौर को अपनी धुनों से जोड़ दिया। उनके गाने 2000 के दशक के युवाओं की यादों का हिस्सा बन गए थे। अब करीब दो दशक बाद वीवा एक बार फिर चर्चा में है। दरअसल, बैंड का संगीत अब डिजिटल और ऑडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर दोबारा उपलब्ध कराया जा रहा है। 'वीवा' की शुरुआत पांच मेंबर के जरिए बैंड के रूप में हुई थी। इस बैंड में सीमा रामचंदानी, नेहा भसीन, प्रतीची महापात्रा, महुआ कामत और अनुष्का मनचंदा शामिल थीं। उस समय भारतीय पॉप संगीत में गर्ल बैंड का कॉन्सेप्ट नया था और वीवा ने अपनी अलग पहचान बनाई। हालांकि, पहले एल्बम के बाद सीमा रामचंदानी ने बैंड छोड़ दिया था। इसके बाद बाकी चार सदस्यों ने मिलकर 2003 में 'वीवा! रीलोडेड' नाम से अपना दूसरा एल्बम रिलीज किया था। अब वीवा ने जियोस्टार के साथ मिलकर अपने संगीत को फिर से लोगों तक पहुंचाने का फैसला किया है। बैंड के गाने और वीडियो अब 'कानफोड़' और दूसरे बड़े ऑडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होंगे। इस खबर ने उन लोगों के बीच खास उत्साह पैदा कर दिया है, जो 2000 के दशक में वीवा के गानों को सुनते हुए बड़े हुए थे। इस खास मौके पर नेहा भसीन ने कहा, ''वीवा सिर्फ एक बैंड नहीं था, बल्कि यह एक एहसास और एक पूरे दौर की पहचान बन गया था। मेरे लिए और उन लोगों के लिए जिन्होंने उस समय उनके गाने सुने, वीवा एक खूबसूरत याद की तरह है। भारत के पहले पॉप गर्ल बैंड के रूप में उन्होंने कुछ बहुत खास बनाया था और यह रिश्ता आज भी लोगों के प्यार की वजह से जिंदा है।'' नेहा भसीन ने कहा, ''मुझे इस बात की बहुत खुशी है कि अब नई पीढ़ी भी उन गानों और वीडियो को सुन और देख सकेगी, जिन्होंने एक समय लाखों युवाओं की यादों को खास बनाया था। संगीत का सबसे सुंदर पहलू यही होता है कि वह समय बीतने के बाद भी लोगों के दिलों में बना रहता है।''

बतौर निर्माता कान्स फिल्म फेस्टिवल पहुंचीं पूजा बत्रा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री पूजा बत्रा की बतौर निर्माता आगामी फिल्म 'इकोज ऑफ अस' को प्रतिष्ठित 'कान्स फिल्म फेस्टिवल 2026' में प्रदर्शित किया गया। इस उपलब्धि पर अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में कान्स रेड कार्पेट पर उनकी खूबसूरत और ग्लैमरस झलकियां देखने को मिली। तस्वीरें शेयर करने के साथ ही उन्होंने अपनी पूरी टीम का हौसला बढ़ाते हुए लिखा, कान्स फिल्म फेस्टिवल यानी 'के-ए-एन', क्योंकि हम कर सकते हैं। मैं वहां अपनी फिल्म 'इकॉज ऑफ अस' और उसकी स्टारकास्ट के साथ एक निर्माता के तौर पर शामिल हुई थी।

इस सफर में कई शानदार यादें बनीं, कुछ बहुत ही बेहतरीन लोगों से मुलाकात हुई और मशहूर कान्स रेड कार्पेट पर मुझे अपने 15 सेकंड का वह खास और यादगार पल जीने का मौका मिला। अभिनेत्री ने आगे लिखा, बहुत कुछ सीखने को मिला। अब अगली बार और बेहतर अंदाज में वापसी करने का समय है। पूजा की पोस्ट को काफी पसंद किया जा रहा है। उनके प्रशंसक इस उपलब्धि पर जमकर तारीफ कर रहे हैं।

'इकोज ऑफ अस' एक बहुचर्चित शॉर्ट फिल्म है, जो वैश्विक स्तर पर फिल्म समारोहों (फिल्म फेस्टिवल्स) में सराही गई है। इसमें यूलिया वंतूर (जिनका यह अभिनय डेब्यू है), सीनियर अभिनेता दीपक तिजोरी और स्पेनिश अभिनेत्री एलेसांद्रा व्हेलन मेरेडिज ने मुख्य भूमिकाएं निभाई हैं। यह फिल्म प्रेम-विरह और मानवीय संबंधों पर आधारित है, जिसे उन्होंने अपने लॉस एंजिल्स स्थित प्रोडक्शन हाउस 'ग्लोबेलिंक' के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। इसका निर्देशन जो राजन द्वारा किया गया है और इसे अभिनेत्री पूजा बत्रा ने एलायंस मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से प्रोड्यूस किया है। कान्स जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर सराहना मिलने के बाद अब यह फिल्म बहुत जल्द सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। 20-मिनट की इस इमोशनल ड्रामा ने 80 से अधिक अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार जीतकर वैश्विक स्तर पर नाम कमाया है। इसमें दीपक तिजोरी ने बेस्ट एक्टर और यूलिया वंतूर ने बेस्ट एक्ट्रेस के कई पुरस्कार जीते हैं।

सान्या मल्होत्रा ने 'सुंदर पूनम' के सेट से शेयर की झलकियां

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा इन दिनों अपनी आने वाली रोमांटिक थ्रिलर फिल्म 'सुंदर पूनम' की शूटिंग में काफी बिजी हैं। अब उन्होंने फिल्म के जोधपुर शेड्यूल को पूरा कर लिया है और इसकी जानकारी सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस के साथ साझा की है। सान्या मल्होत्रा ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक खास वीडियो पोस्ट किया, जिसमें पूरी टीम जोधपुर को अलविदा कहते हुए नजर आ रही थी। वीडियो में शूटिंग के दौरान के बीटीएस पल शामिल हैं। कहीं कलाकार और टीम के सदस्य हंसते-मुस्कुराते दिखाई दिए, तो कहीं शूटिंग के बीच मस्ती करते हुए नजर आए। इस पोस्ट के जरिए सान्या ने यह दिखाने की कोशिश की कि फिल्म की टीम के लिए यह शेड्यूल कितना खास रहा। वीडियो में जोधपुर की खूबसूरत लोकेशन की झलक भी दिखाई दी, जिसने फैंस का ध्यान खींचा। शूटिंग खत्म होने के बाद टीम के सदस्यों के चेहरे पर खुशी साफ नजर आ रही थी। इसके अलावा, सान्या ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक और छोटी वीडियो पोस्ट की। इस वीडियो में वह फ्लाइट में बैठी हुई नजर आ रही हैं और कैमरे की तरफ मुस्कुराते हुए देख रही हैं। इस वीडियो के जरिए उन्होंने बताया कि अब टीम फिल्म के अगले शेड्यूल के लिए नई जगह रवाना हो चुकी है। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि अगली शूटिंग किस शहर या जगह पर होने वाली है। फिल्म 'सुंदर पूनम' का निर्देशन पुलकित कर रहे हैं। फिल्म में आदित्य रावल भी अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे। यह कहानी 2025 में सामने आए चर्चित हनीमून मर्डर केस से प्रेरित बताई जा रही है। इस मामले में इंदौर के एक कारोबारी की मेघालय यात्रा के दौरान हत्या कर दी गई थी। हालांकि फिल्म की पूरी कहानी को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इसे एक रहस्यमय रोमांटिक थ्रिलर माना जा रहा है। इसके अलावा, सान्या मल्होत्रा फिल्म 'बंदर' को लेकर भी चर्चा में हैं।

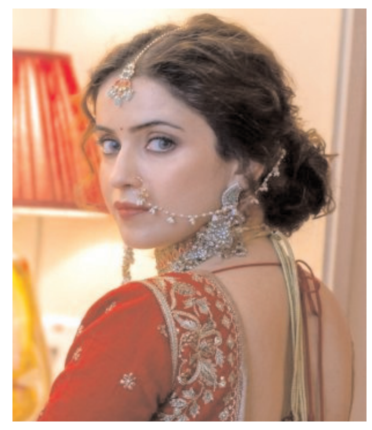

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जो परहित की बातें सुन नहीं सकता, उसका हित कभी हो नहीं सकताः आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गंगावती। बुधवार को गंगावती-सिंधनूर के बीच पदयात्रा के दौरान कारटगी ग्राम में प्रवचन सभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि अहंकार इतना परिपुष्ट हो रहा है कि पिता-माता की हितकारक बातें भी उनकी संतानें सुनना नहीं चाहतीं। इसी तरह नौकर अपने स्वामी की नहीं सुनता। विद्यार्थी अपने विद्यागुरु शिक्षक की बातें अनसुनी करते हैं। बोलने और सुनने में बड़े-छोटे का लिहाज ही समाप्त हो रहा है। कोई किसी की सुनना नहीं चाहते। सब लोग बात को नकारने या सामने जवाब देने में माहिर हो गए हैं। ऐसी विषम परिस्थिति में धर्म के उपदेशों को सुनना-समझना या गुरु के वचनों को ग्रहण करना भी सहज नहीं है। निरंतर हो रही सामाजिक अवनति और धर्म की हानि की यह अहम वजह है। जो अपने अभिभावकों की नहीं सुनता, वो गुरुजनों की क्या सुनेगा ? धर्मशास्त्रों का तो स्पष्ट उपदेश है कि जिस व्यक्ति में सुनने की क्षमता नहीं होती, वह आध्यात्मिक उन्नति के लिए अयोग्य है। जो अपने हित की बातें भी सुन नहीं सकता, उसका हित कभी हो नहीं सकता।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि भौतिक प्रगति हो या आध्यात्मिक उन्नति, जीवन में सुनने की क्षमता का विकास किया जाना अत्यंत आवश्यक है। आधुनिक युग में मनुष्य में सहनशीलता की कमी और अहंकार की ज्यादती दिखाई देती है। कोई किसी की थोड़ी सी भी सुनना नहीं चाहता।

किसी को सही या खरा-खरा भी कह दो तो बुरा लग जाता है। आधा-अधूरा, अज्ञानी या अयोग्य होते हुए भी वर्तमान युग का मनुष्य स्वयं को पूर्ण, प्रबुध्द, ज्ञानी और योग्य दिखाने की भरपूर कोशिश करता है। ऐसी मानसिकता ही आध्यात्मिक उन्नति, भौतिक सफलता, संबंधों की परिपक्वता और ज्ञानार्जन के पथ पर सबसे बड़ी बाधा है।ङ्गआचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि सुनने की क्षमता के अभाव में लोगों में आपसी विवाद बढ़ने लगे हैं। कुछ सुनाने पर लोगों में गुस्सा बढ़ रहा है।

सामान्य बातों में लोग परिवार से संबंध विच्छेद कर अलग रहने लगे हैं। इससे पूर्व आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी, गणि पद्मविमलसागरजी और सहवर्ती श्रमण परिवार ने गंगावती से सिंधनूर के लिए विहार किया। बड़ी संख्या में युवक-युवतियों और पुरुषों व महिलाओं ने अनेक किलोमीटर साथ चलकर उन्हें भक्ति पूर्वक विदाई दी

श्याम मंदिर में पद्मिनी एकादशी के मौके पर बही भक्ति की गंगा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के बन्नरघटा रोड स्थित नेशनल पार्क के सामने श्याम मंदिर प्रांगण में बुधवार को पद्मिनी एकादशी के अवसर पर बाबा श्याम का रंगबिरंगे ताजे फूलों से श्रृंगार किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्याम भक्त उपस्थित थे। सभी भक्तों ने कतारबद्ध होकर बाबा श्याम की प्रतिमा के दर्शन किए तथा दरबार में हाजरी लगाई। शाम को मंदिर प्रांगण में भजनों की धारा बही। भजन संध्या में स्थानीय गायकों सहित बीकानेर से आए गायक प्रवेश शर्मा नें मधुर भजनों की प्रस्तुति दी। भजन संध्या के पश्चात महाआरती का आयोजन किया गया। मंदिर कमेटी के पदाधिकारियों व मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टियों ने व्यवस्था में सहयोग किया।

संकीर्ण मानसिकता धर्म के कल्पवृक्ष को कर रही खोखला : डॉ.समकितमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मल्लेश्वरम स्थानक में आयोजित प्रवचन सभा में डॉ समकितमुनिजी ने समाज में फैले संप्रदायवाद, वेशभूषा के आडंबर और 'तेरा-मेरा' की संकीर्ण मानसिकता पर प्रहार करते हुए कहा कि वीतराग परमात्मा की वाणी सूर्य की रोशनी के समान है, जो सबके लिए समान रूप से लाभकारी है लेकिन जिस प्रकार कुछ प्राणी सूर्य की रोशनी से बचते हैं और अंधेरे में छिपते हैं, ठीक वैसे ही समाज में कुछ ऐसे महानुभाव हैं जो 'जिनवाणी' से बचना चाहते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि उनके मन में यह भ्रांति बैठ गई है कि 'यदि हमारी परंपरा या हमारे संप्रदाय के संत होंगे, तो ही हम जिनवाणी सुनेंगे, अन्यथा नहीं। उन्होंने कहा कि तुम्हारी यह संकीर्ण मानसिकता और धर्म के 'कल्पवृक्ष' को भीतर ही भीतर खोखला कर रही है। इससे पहले कि धर्म का यह वृक्ष नष्ट हो जाए, अपनी इस मानसिकता को बदल डालो। उन्होंने कहा, आजकल संप्रदायवाद का डंका चारों ओर बहुत जोर से बज रहा है। भगवान महावीर का मूल सिद्धांत 'अनेकांतवाद' का है, न कि अपने-अपने संप्रदाय को श्रेष्ठ सिद्ध करने का। जो इंसान धर्म के नाम पर 'तेरा-मेरा' करता है, वह दुनिया की नजरों में भले ही धर्मात्मा लगे, लेकिन वीतराग परमात्मा की नजरों में वह कभी धर्मात्मा नहीं हो सकता। ङ्गङ्गमुनिश्री ने धर्मगुरुओं पर भी कटाक्ष करते हुए कहा, जो लोग दुनिया को आसक्ति कम करने का उपदेश देते हैं, यदि वे स्वयं ही अपने 'भक्तों के राग और आसक्ति' में जकड़े हुए हैं, तो यह ढोंग के सिवा और कुछ नहीं है। संतश्री ने कहा, आजकल समाज में यह चर्चाएं बहुत आम हो गई हैं कि 'यह सच्चा संत है, यह कुसाधु है, यह स्वर्ग जाएगा, यह नरक जाएगा।' बोलने वाले अज्ञानतावश कुछ भी बोल देते हैं, लेकिन याद रखो- एक साधु या कुसाधु की असली पहचान मात्र एक 'केवलज्ञानी' ही कर सकता है, और कोई नहीं! जब हमारे पास साधु की सज्जनता को मापने का कोई पैमाना ही नहीं है, तो किसी साधु को 'असाधु' कहकर अकारण अपने सिर पर 'मिथ्यात्व' का भारी कर्म मत बांधो।ङ्गङ्गउन्होंने कहा, सरलता से जीवन जीओ, परंपरावाद के जालों में मत उलझो। भगवान का जिनशासन बहुत सरल था, लेकिन हमने अपनी संकीर्ण सोच से इसे उलझा दिया है। किसी की वेशभूषा से उसे मत मापो, बल्कि आध्यात्मिक गुणों की तरफ ध्यान दो। क्षमा, सरलता, मृदुता और कषायों पर विजय- यही सही मार्ग है। इन गुणों को धारण करने वालों की पूजा करो। उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि संप्रदाय के राग को तोड़ो, इस जंजीर से छूटो, जो भी संत तुम्हारे द्वार आए, उसकी सेवा और भक्ति करो। जिनवाणी का लाभ लो और परंपरा का चश्मा उतार कर फेंक दो।ङ्गप्रवचन के पश्चात मोक्ष द्वार पत्रिका के संपादक गौतम ओस्तवाल ने अपने भाव व्यक्त किए। बेंगलूरु चातुर्मास समिति के सदस्यों ने आगामी कार्यक्रम व चातुर्मास प्रवेश की जानकारी दी। मल्लेश्वरम संघ के अध्यक्ष प्रकाश बाफना ने आभार व्यक्त किया। सभा का संचालन धर्मीचंद बोहरा ने किया।

उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूर के जेएसएस अकादमी ऑफ़ टेक्निकल एजुकेशन द्वारा तीन दिवसीय मैनेजमेंट फेस्ट 'अदृश्य-2026' का आयोजन किया गया, जिसमें कर्नाटक के 150 महाविद्यालय के 1500 से भी ज्यादा विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में खेलकूद, बौद्धिक, सांस्कृतिक एवं विभिन्न रचनात्मक स्पर्धाओं का आयोजन हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित महेंद्र मुणोत, एस. बालाजी, सुधीर रायकर एवं कार्यक्रम अध्यक्ष महाविद्यालय के प्राचार्य भीमसेन ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया।

तिब्बती राजनीतिक प्रमुख ने पद की शपथ ली, दलाई लामा की मध्य मार्ग की नीति के प्रति जताई प्रतिबद्धता

धर्मशाला/भाषा

तिब्बत की निर्वासित सरकार के प्रमुख पेनपा शेरिंग ने पुनः निर्वाचित होने के बाद बुधवार को यहां अपने शपथ ग्रहण के दौरान, चीन सरकार के साथ मुद्दों के समाधान के लिए तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा की मध्य मार्ग की नीति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। मैक्लोडगंज में शपथ ग्रहण समारोह के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए, केंद्रीय तिब्बती प्रशासन (सीटीए) के सिक्योंग (प्रमुख) ने चीन सरकार पर तिब्बती पहचान को मिटाने और तिब्बती एकता को कमजोर करने के उद्देश्य से गलत सूचना फैलाने का भी आरोप लगाया। शेरिंग ने कहा कि अहिंसा, संवाद और पारस्परिक लाभ के माध्यम से चीन-तिब्बत संघर्ष का समाधान तलाशने वाली मध्य मार्ग की नीति टिकाऊ होगी। उन्होंने कहा, समाधान प्राप्त होने तक हम चीन सरकार के साथ सावधानीपूर्वक और स्थिरता के साथ अनाधिकारिक रूप से संवाद जारी रखेंगे।

एक बयान के अनुसार, शेरिंग ने तिब्बत में रहने वाले और निर्वासन में रह रहे समुदायों के सदस्यों से तिब्बती भाषा, संस्कृति और धर्म को संरक्षित करने की अपील की। शेरिंग ने कहा, लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई निर्वासित सरकार, केंद्रीय तिब्बती प्रशासन की 17वीं काशाग (कैबिनेट), दलाई लामा के विचारों और सलाह को इसके मूल रूप में बनाये रखने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराती है।

धर्मगुरु और भगवान से बढ़कर है पर्यावरण, उसका संरक्षण अति आवश्यक : कमलमुनि कमलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के संजयनगर जैन स्थानक में ईद की पूर्व संध्या पर राष्ट्रीय मुस्लिम अहिंसा मंच द्वारा आयोजित 'अहिंसा और पर्यावरण सम्मेलन' को संबोधित करते हुए राष्ट्रसंतश्री कमलमुनिजी ने कहा कि धर्मगुरु और भगवान से बढ़कर है पर्यावरण। इसके बिना हम जीने की कल्पना तक नहीं कर सकते। पर्यावरण को नष्ट करना, अपने पांव पर कुल्हाड़ी मारने के समान है। इसका कोई विकल्प नहीं है। हीरे,पन्ने, माणक, मोती से कीमती है यह पर्यावरण। संतश्री ने कहा कि पर्यावरण कानून में हरे वृक्ष की डाली तोड़ना ही अपराध है, फिर पशुओं पर खंजर चलाने की इजाजत कैसे मिल जाती है? किसी भी प्राणी का कत्ल करना, पर्यावरण कानून का कत्ल करने के समान है। उन्होंने कहा कि प्रकृति का प्रत्येक प्राणी पर्यावरण के संतुलन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। मात्र इंसान ही ऐसा है जो विलासिता में डूब कर प्रकृति पर कहर ढा रहा है।

मुनिश्री कमलेश ने कहा कि एक तरफ सरकार पर्यावरण कानून बनाती है, प्लास्टिक थैली के उपयोग पर प्रतिबंध लगाती है और दूसरी ओर प्लास्टिक के उत्पादन की इजाजत देती है। ङ्ग राष्ट्रीय मुस्लिम अहिंसा मंच के वरिष्ठ कार्यकर्ता वाजिद अली वाजिद ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा के लिए ईद के मौके पर हम किसी प्राणी की कुर्बानी नहीं देंगे बल्कि वृक्षारोपण, गौ सेवा करके ईद मना रहे हैं। गंगानगर संजयनगर संघ के कार्यकर्ताओं ने करीब सवा लाख रुपए की राशि जीव दया कार्यों के लिए समर्पित की।

साध्वी पावनरत्नाश्री का आगामी चातुर्मास मंजूनाथनगर-शिवनगर संघ में घोषित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मंजूनाथनगर शिवनगर के सकल जैन संघ के एक प्रतिनिधि मंडल ने चेन्नई के केसरवाड़ी तीर्थ में विराजित पंजाब केसरी वल्लभसूरी समुदाय की साध्वी पावनरत्नाश्रीजी के दर्शन कर वर्ष 2026 का चातुर्मास मंजूनाथनगर स्थित जैन भवन में करने का निवेदन किया। साध्वीश्री ने भी प्रभु के जयकारों के बीच चतुर्विध संघ की उपस्थिति में आगामी चातुर्मास की घोषणा की।

सदस्याओं ने किलपाक के नेमीनाथ मंदिर एवं मुनिसुव्रत मंदिर में आराधना की तथा व्यासरवाड़ी में विराजित संतश्री वीरेंद्रमुनिजी, पुड्डुपेट में विराजित श्रमण संघीय साध्वीश्री आदर्शज्योति जी के दर्शन किर मांगलिक का लाभ लिया। ङ्गसंघ यात्रा में अध्यक्ष संघवी उत्तमचन्द आच्छा, उपाध्यक्ष विनोद कुमार मेडतवाल, मंत्री राकेश दलाल, सहमंत्री राजेश कोठारी एवं सुरेश बाघमार, अंकित आच्छा, महिला मण्डल की अध्यक्ष पुष्पादेवी आच्छा, सोनिका कोठारी, सुशीला बाघमार, गीता धानेशा, आदि उपस्थित थे।

'टीटीएफ शौर्य' अभियान में लोगों ने सीखे आपातकालीन परिस्थिति में जीवन बचाने के गुर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । तेरापंथ युवक परिषद, विजयनगर द्वारा तेरापंथ टास्क फोर्स (टीटीएफ) के अंतर्गत 'टीटीएफ शौर्य-लाइफ सेविंग अभियान शिविर' का आयोजन मंगलवार को शहर के 4 अलग-अलग स्थानों पर आयोजित किया गया। इन शिविरों में प्रतिभागियों को 'मेडिकल फर्स्ट रिस्पॉन्डर' बनने का गहन प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस अभियान हेतु चेन्नई से आए प्रशिक्षक हिमांशु डूंगरवाल ने व्यावहारिक शैली में आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के महत्वपूर्ण गुर सिखाए। प्रशिक्षण के दौरान जलने, खून बहने, सीपीआर, फ्रैक्चर, चोकिंग तथा स्ट्रेचर निर्माण जैसी परिस्थितियों में 'गोल्डन ऑवर' के दौरान सही प्राथमिक उपचार देकर जीवन बचाने की जानकारी दी गई। तेयुप के अध्यक्ष विकास बांठिया ने कहा कि इस शौर्य अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक घर में एक प्रशिक्षित 'फर्स्ट रिस्पॉन्डर' तैयार करना है, ताकि आपातकालीन स्थिति में तुरंत सहायता उपलब्ध हो सके।

प्रधानमंत्री मोदी के पास कांग्रेस के साथ समझौते करने से कहीं अधिक महत्वपूर्ण काम : मुरलीधरन

तिरुवनंतपुरम/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता वी. मुरलीधरन ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पास मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) को निशाना बनाने के लिए कांग्रेस के साथ समझौता करने से कहीं अधिक महत्वपूर्ण कार्य हैं। उन्होंने कहा कि माकपा की राष्ट्रीय स्तर पर उपस्थिति सीमित है।

कझाकूटम विधानसभा क्षेत्र से विधायक और पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री मुरलीधरन ने माकपा के एक दावे को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की।

माकपा ने दावा किया था केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के आवासों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी भाजपा-कांग्रेस का संयुक्त अभियान है।

भाजपा नेता ने यह भी सवाल उठाया कि अगर विजयन ने कोई गलती नहीं की तो उन्हें अपने आवासों पर ईडी की छापेमारी से चिंतित नहीं होना चाहिए। उन्होंने वामपंथी दल को खत्म करने की मोदी की कोशिश को एक 'भद्दा मजाक' बताया। मुरलीधरन ने कहा, क्या आपको लगता है कि नरेन्द्र मोदी के पास केरल में वजूद रखने वाली और पश्चिम बंगाल में शायद एक सीट जीतने वाली पार्टी (माकपा) को खत्म करने के लिए कांग्रेस के साथ सौदे करने के अलावा और कोई काम नहीं है? यह कहना सरासर मजाक है कि मोदी माकपा को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, मैंने समाचार पढ़े हैं, जिनमें जिक्र किया गया है कि केरल उच्च न्यायालय ने ईडी की जांच का विरोध करने वाली याचिका को खारिज कर दिया, जिससे एजेंसी को अपनी जांच जारी रखने का रास्ता मिल गया है।

ईडी, सीएमआरएल धन शोधन मामले में विजयन की बेटी वीना टी. के खिलाफ जारी जांच के तहत केरल में कुल 10 परिसरों पर छापेमारी कर रही है, जिनमें राज्य की राजधानी में 81 वर्षीय पूर्व मुख्यमंत्री का किराए का घर, कन्नूर में एक स्थान और सीएमआरएल (एक निजी संस्था) के प्रमुख व्यक्तियों के आवास शामिल हैं।

माकपा-भाजपा की साझेदारी क्यों टूटी ? : रमेश चेन्निथला

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के गृहमंत्री रमेश चेन्निथला ने बुधवार को उन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया जिनमें पिनराई विजयन के आवासों पर प्रवर्तन निदेशालय के छापों को ''कांग्रेस-भाजपा अभियान'' बताया गया। उन्होंने दावा किया माकपा की ही भाजपा के साथ साझेदारी थी।

चेन्निथला ने संवाददाताओं से कहा कि माकपा को यह बताना होगा कि भाजपा के साथ उनकी ''साझेदारी'' क्यों टूटी, जिसके चलते प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई हुई। उन्होंने माकपा के उस दावे को भी नकार दिया कि यह छापेमारी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन की एक दिन पहले हुई मुलाकात का नतीजा है। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री और केरल के मुख्यमंत्री के बीच मुलाकात राज्य के हित में जरूरी थी और यह सामान्य सरकारी कामकाज का हिस्सा है। उन्होंने याद दिलाया, ''जब पिनराई विजयन मुख्यमंत्री थे, तब वह खुद कितनी बार प्रधानमंत्री से मिले थे।'' उन्होंने कहा कि इस मुलाकात को छापों से जोड़ने की कोई जरूरत नहीं है।

चेन्निथला ने माकपा के इस आरोप को भी ''घिसा-पिटा राग'' बताया कि छापे कांग्रेस व भाजपा की मिलीभगत का नतीजा हैं। उन्होंने कहा, ''(हमें) इसकी कोई जरूरत नहीं है। कांग्रेस, भाजपा और माकपा का रुख सब जानते हैं। मैं बस यह पूछना चाहता हूं कि साझेदारी करने वालों का क्या हुआ? माकपा और भाजपा की साझेदारी थी, उनके बीच सबसे गहरा रिश्ता था। उन्हें लोगों को बताना चाहिए कि वह साझेदारी कैसे और क्यों टूटी।''

चेन्निथला ने यह भी स्पष्ट किया कि केरल के गृह विभाग और पुलिस को प्रवर्तन निदेशालय की इस छापेमारी की कोई पूर्व जानकारी नहीं थी। इस बीच, भाजपा नेता शोन जॉर्ज ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को कथित सीएमआरएल मासिक भुगतान मामले में गिरफ्तार किया जाएगा और जेल भेजा जाएगा। उन्होंने माकपा के वरिष्ठ नेता और उनकी बेटी टी. वीणा दोनों को इस मामले में ''दोषी'' करार दिया।

जॉर्ज इस मामले से जुड़ी कानूनी लड़ाई में भी शामिल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले दस वर्षों में केरल के तटीय इलाकों से अवैध खनन और खनिज रेत की तस्करी में परमाणु खनिज भी शामिल थे, इसलिए यह मामला विदेशों तक फैला है और राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा है।

जॉर्ज ने संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया कि विजयन ने इन कथित गतिविधियों के बदले रिश्वत ली और यह धन वीणा विजयन के खातों के जरिये भेजा गया। उन्होंने कहा कि उनकी शिकायत पर जांच कर रहे गंभीर जालसाजी अन्वेषण कार्यालय ने न्यायालय में आरोपपत्र दाखिल कर दिया है और वीणा विजयन को इस मामले में तीसरा आरोपी बनाया गया है।

जॉर्ज ने कहा, ''...पिनराई विजयन को इस मामले में गिरफ्तार किया जाएगा और जेल भेजा जाएगा।'' ईडी ने राज्य में कुल 10 परिसरों पर छापेमारी की है। इनमें राजधानी तिरुवनंतपुरम में 81 वर्षीय पूर्व मुख्यमंत्री का किराए का मकान, कन्नूर का एक स्थान तथा निजी कंपनी सीएमआरएल से जुड़े प्रमुख लोगों के आवास शामिल हैं। यह कार्रवाई विजयन की बेटी टी वीणा के खिलाफ सीएमआरएल धनशोधन मामले की जांच के तहत की गई।

भाजपा ने विजयन के आवास के बाहर ईडी अधिकारियों पर हुए हमले की निंदा की

तिरुवनंतपुरम/भाषा। भाजपा ने बुधवार को केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के आवास के बाहर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे कानून के शासन पर प्रहार बताया।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हिंसा भ्रष्ट लोगों का अंतिम सहारा है।'' उन्होंने कहा, ''पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के आवास के बाहर आज ईडी अधिकारियों और उनके वाहन पर हुए शर्मनाक हमले से माकपा की जवाबदेही को लेकर असहजता उजागर होती है।''

भाजपा विधायक ने कहा कि ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों पर हमला करना और जांच में बाधा डालना राजनीतिक विरोध नहीं बल्कि यह कानून के शासन पर प्रहार है।

उन्होंने आरोप लगाया, ''हमेशा की तरह, कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार अपने राजनीतिक सहयोगी माकपा को बचाने के लिए चुप्पी साधे हुए है।''

चंद्रशेखर ने कहा कि केरल के लोगों को सच्चाई जानने का हक है। उन्होंने कहा, ''कोई नेता, कोई पार्टी और कोई पूर्व मुख्यमंत्री कानून से ऊपर नहीं है।''

केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के आवास के बाहर बुधवार को उस समय हिंसा भड़क उठी, जब ईडी के अधिकारी छापेमारी की कार्रवाई पूरी कर परिसर से बाहर निकल रहे थे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**